डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 92 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 13 जनवरी 2025 | मूल्य 2 रुपया

❊ उठावना ❊

घाणावार तेली समाज मन्दसौर के ट्रस्टी,वरिष्ठ, समाजसेवी , होटल हलवाई संघ के वरिष्ठसदस्य, गंगाराम जी डगवार के सुपुत्र,स्व.जगदीश डगवार के छोटे भाई व दशरथ डगवार के बड़े भाई भाजपा नेता प्रहलाद डगवार,नीलेश के पापा, भाजपा दक्षिण मंडल अध्यक्ष पूर्व नपा पार्षद सभापति विनोद डगवार,राजेश,अशोक के काकाजी और प्रथम, नकुल, प्रणव, गर्व, दिव्यांश के दादाजी विष्णुलाल जी डगवार का दुःखद निधन दिनांक 11/1/2025 शनिवार को हो गया था जिनका उठावना 13/1/2025 सोमवार को प्रातः 11 बजे नीज निवास नयापुरा रोड पर रखा गया है

❊❊❊❊❊ शोकाकुल ❊❊❊❊❊

समस्त डगवार परिवार मंदसौर

लोहे की जगह फाइबर सिलेंडर..!

जिले में सप्लाय शुरू, वजन हल्का, खतरा भी कम

मंदसौर, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। अब प्लास्टिक के गेस सिलेंडर उठाना, लाना ले-जाना होगा आसान। दरअसल इंडियन ऑइल कंपनी ने दूरदराज रहने वाले सहित सभी लोगों के लिए फाइबर जैसे मटेरियल से सिलेंडर बनाया है। इसका कुल वजन 16 किलो है। अभी लोहे के भरे सिलेंडर का वजन 31 किलो करीब होता है। नए सिलेंडर से हादसों में कमी आएगी। इसमें गेस लीकेज व ब्लास्ट का खतरा नहीं रहेगा। अधिकारियों का दावा है कि इसे आग में भी फेंक देंगे तो भी ब्लास्ट नहीं होगा। सेफ्टी के साथ वजन में भी कम है। इच्छुक लोग इसकी बुकिंग करा सकते हैं।

इंडियन ऑइल कंपनी ने घरेलू गेस सिलेंडर को उठाने, घर में लाने-ले जाने सहित महिलाओं की अन्य समस्याओं को देखते हुए फाइबर जैसे मटेरियल से बने नए गेस सिलेंडर की सप्लाई शुरू कर दी है। यह सिलेंडर 10 किलो गेस के साथ कुल 16 किलो वजन का होता है। वर्तमान में लोहे वाले गैस सिलेंडर में 14 किलो गेस आती है। यह 890 रुपए में आ रहा है। जबकि, 10 किलो फाइबर का सिलेंडर 636 रुपए में मिल जाएगा। गेस के दाम बराबर ही हैं। लेकिन, लोहे का सिलेंडर होने से उसका कुल वजन करीब 31 किलो हो जाता है। इससे भरे हुए सिलेंडर को हर कोई नहीं उठा सकता। महिलाओं को उसे उठाकर रसोई तक ले जाने व लगाने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में कंपनी ने फाइबर के नए सिलेंडर शुरू किए हैं। महिलाएं भी इसे आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जा सकती हैं। नया सिलेंडर पारदर्शी है। ऐसे में मोबाइल की लाइट या टार्च से सिलेंडर में कितनी गेस है, आसानी से देखा जा सकता है। गेस खत्म होने से पहले आपको पता भी चल जाएगा। ऐसे में समय पर आप दूसरे सिलेंडर की व्यवस्था कर सकते हैं।

तीन हजार रु. में करें बुकिंग...

एजेंसी संचालकों के अनुसार शहर में स्थित लगभग आधा दर्जन गेस एजेंसी से करीब 60 हजार से ज्यादा घरेलू गेस उपभोक्ता जुड़े हैं। इनमें से करीब 200 लोगों ने ही फाइबर की टंकी का कनेक्शन भी ले लिया है। अभी उपभोक्ता 3 हजार डिपॉजिट देकर नए सिलेंडर बुक कर सकता है। यह राशि एक बार ही देना होगी। इसके बाद 636 में सिलेंडर रिफिल हो जाएगा। इसमें पुराने लोहे के सिलेंडर के लिए उपभोक्ता ने जितना डिपॉजिट जमा कर रखा है वह कम हो जाएगा।

ब्लास्ट प्रुफ हैं नए सिलेंडर...

नए फाइबर के सिलेंडर में ब्लास्ट का खतरा नहीं है। अधिकारियों और गेस एजेंसी संचालकों के अनुसार यह सिलेंडर ब्लास्ट प्रुफ है। इसे आग में भी डाल देंगे तो ब्लास्ट नहीं होगा। इनका कहना है कि यह विदेशी तकनीक पर तैयार किया गया है, जिससे सुरक्षा अधिक होगी। इसमें पुराने रेगुलेटर ही लग जाएंगे। इस नए सिलेंडर में जंग भी नहीं लगता, जिससे आपके फर्श पर निशान भी नहीं पड़ेंगे।

इनका कहना...

हमारे यहां फाइबर गेस सिलेंडर आ चुके हैं। नए सिलेंडर सुरक्षा की दृष्टि से अच्छे, आधुनिक तकनीक से से तैयार किए हैं। ये वजन में भी हल्के हैं, जिससे महिलाओं को सुविधा होगी।

इष्ट भाचावत, संचालक नाकोड़ा गैस एजेंसी मंदसौर

सक्रांति के लिए- मकर सक्रांति के अवसर पर 14 जनवरी को समूचे अंचल में पतंग उड़ाई जाती है। शहर में अनेक स्थानों पर पतंग और डोर अर्थात धागे की दुकानें सज गई है। जहां से पतंग प्रमी अपनी पसंद से पतंगे खरीदकर ले जा रहे है।

सक्रांति पर बारिश की आशंका

मंदसौर, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में मौसम का मिजाज एक बार फिर से बदलने वाला है। रविवार को सुबह से छाए घने कोहरे के बाद दोपहर में धूप खिली।

मौसम विभाग के अनुसार सक्रांति 14 जनवरी से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है, जिससे प्रदेश में 14 और 15 जनवरी को कई स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। वर्तमान में पश्चिमी राजस्थान और आसपास के क्षेत्रों में चक्रवातीय परिसंचरण सक्रिय है। उत्तर भारत के ऊपर समुद्र तल से 12.6 किलोमीटर की ऊंचाई पर जेट स्ट्रीम हवाएं 240 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज रफ्तार से चल रही हैं। मंदसौर में अधिकतम तापमान 24.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बता दें कि पिछले कुछ दिनों से बर्फीली हवाओं के कारण प्रदेश में कड़ाके की ठंड का प्रकोप रहा और पिछली चार रातों में तापमान में लगातार गिरावट देखी गई। हालांकि, शनिवार से इस स्थिति में कुछ राहत मिली है। मौसम विभाग का कहना है कि जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और लद्दाख में बर्फ पिघलने से आने वाले दिनों में ठंड का प्रकोप बढ़ सकता है और हवाओं की गति में भी वृद्धि की संभावना है।

पावर प्लांट टनल का मलबा गिरा, मजदूर की मौत

मनासा, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। समीपस्थ रामपुरा के खिमला गांव में स्थित ग्रीनको प्राइवेट लिमिटेड पावर प्लांट में टनल के मलबे में दबने से एक मजदूर की मौत हो गई। जबकि, एक मजदूर घायल है।

हादसा रामपुरा थाना क्षेत्र के खिमला गांव में निर्माणाधीन विद्युत पावर प्लांट की टनल में हुआ है। बताया जा रहा है कि शनिवार दोपहर टनल के अंदर मजदूर काम कर रहे थे। उसी वक्त टनल से ऊपरी हिस्से से मलबा गिरा। मलबे में दो मजदूर दब गए। घायल मजदूरों को नीमच के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। शनिवार-रविवार की रात पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी के नागर आता निवासी 32 वर्षीय राज ओरोन की मौत हो गई। दूसरे घायल मजदूर भी अभी अस्पताल में एडमिट है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम नीमच के बड़े अस्पताल में कंपनी... शेष पेज 4 पर

बीजेपी : थर्टी फर्स्ट को मिलना था नया जिलाध्यक्ष, युवा दिवस तक नहीं मिला

नामांकन फॉर्म पर प्रस्तावक-समर्थकों के दस्तखत कराए, प्रदेश स्तर से होगी घोषणा

मंदसौर, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। रविवार को भी भाजपा का नया जिलाध्यक्ष नहीं मिला। मतलब जिलाध्यक्ष की घोषणा नहीं हो पाई। बीजेपी संगठन चुनाव की घोषणा के बाद शुरुआती दौर में यह तय हुआ था कि 1 से 15 दिसंबर तक मंडल अध्यक्षों के चुनाव होंगे। इसके बाद 16 से 31 दिसंबर तक जिलाध्यक्षों का चुनाव हो जाएगा। बीजेपी ने जिलों में रायशुमारी तो दिसंबर में कर ली। लेकिन, जिलाध्यक्षों की घोषणा को लेकर दिग्गजों के बीच सहमति नहीं बन पा रही है। बीजेपी में जिलाध्यक्ष चुनाव के लिए नामांकन फॉर्म भरने की प्रक्रिया रविवार को भी जारी रही। बतौर प्रस्तावक एक मंडल अध्यक्ष और एक समर्थक से नामांकन फॉर्म पर दस्तखत कराए जा रहे हैं। बीजेपी सूत्रों के मुताबिक फॉर्म पर प्रस्तावक और समर्थकों के हस्ताक्षर कराने के बाद जिला अध्यक्षों के नामों की सूची दिल्ली भेजी जाएगी। यहां सहमति बनाकर उम्मीदवारों के नामांकन दाखिल करने और निर्विरोध निर्वाचन की प्रक्रिया शुरू होगी। सोमवार को दिल्ली से सूची फाइनल होने के आसार हैं।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि ये संगठनात्मक पर्व है। नौ साल बाद हम इस प्रक्रिया में गए हैं। मंडल की पूरी प्रोसेस हुई है यानि बूथ की पूरी प्रोसेस हुई है। ऐसे ही जिलों की अपनी प्रोसेस है। इतने बड़े राजनैतिक दल में इस प्रकार के निर्णय संवाद और समन्वय के आधार पर ही होते हैं। इसकी कोई डेट नहीं है। बीती 29 तारीख को दिल्ली में हमारी बैठक हो गई थी। आगे जो होगा, वो जल्दी सामने आ जाएगा।

नामांकन पर जिलाध्यक्ष का नाम नहीं...

सूत्रों की मानें तो जिलाध्यक्ष के नामांकन फॉर्म पर किसी उम्मीदवार का नाम नहीं लिखा है। रायशुमारी में आए नामों और वरिष्ठनेताओं के बीच सहमति बनाकर फॉर्म में एक तय उम्मीदवार का नाम भरा जाएगा। अगले 24 घंटे में जिलाध्यक्ष के निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा हो सकती है। इससे पहले शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने बैठक की थी। वहीं, शनिवार देर रात केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी भोपाल में वीडी शर्मा से मिले थे।

प्रदेश स्तर से ही होगी घोषणा...

छत्तीसगढ़ समेत अब तक जिन राज्यों में जिलाध्यक्षों के नामों की घोषणा की गई है, वहां जिला निर्वाचन अधिकारियों और पर्यवेक्षकों ने जिले के पदाधिकारियों की बैठक बुलाकर जिलाध्यक्षों के नाम की घोषणा की है। लेकिन, मध्यप्रदेश में विवाद से बचने के लिए पर्यवेक्षक और जिला निर्वाचन अधिकारी जिलों में जाकर घोषणा करने को राजी नहीं हैं। कई चुनाव अधिकारियों ने पार्टी नेतृत्व से प्रदेश स्तर से ही घोषणा करने का अनुरोध किया है। इस पर सहमति बन गई है। इसके मुताबिक प्रदेश चुनाव टोली ही जिलाध्यक्षों के नाम का ऐलान करेगी।

नकल पर सख्ती के लिए बनाई योजना

मोबाइल ऐप से करेंगे बोर्ड एग्जाम की निगरानी

भोपाल, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। वॉटसऐप पर एक पर्चा वायरल होता है और प्रदेश के स्टूडेंट की टेंशन शुरू हो जाती है कि क्या वाकई पेपर लीक हो गया? क्या फिर से परीक्षा देना पड़ेगी? इस बार पेपर लीक को रोकने के लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल ने पुख्ता इंतजाम का दावा किया है।

इस बार मंडल, प्रिंटिंग प्रेस से लेकर परीक्षा केंद्र तक पेपर पहुंचाने के पूरे सिस्टम की मोबाइल ऐप से निगरानी करेगा। इसके जरिए जिले में कलेक्टर और प्रदेश स्तर पर बोर्ड के अफसर परीक्षा से जुड़े हर अधिकारी-कर्मचारी की उपस्थिति और उनकी गतिविधियों को रियल टाइम में देख सकेंगे। इस पूरी कवायद में केंद्राध्यक्ष, उड़न दस्ते के प्रभारी और पर्यवेक्षकों पर सबसे ज्यादा नजर रखी जाएगी। दरअसल साल 2023 में 10वीं और 12वीं के करीब 8 पर्चे सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। इन घटनाओं में केंद्र अध्यक्ष और पर्यवेक्षकों की भूमिका संदेह के दायरे में थी।

इस बार पेपर लीक न हो इसके लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल ने दो तरह से इंतजाम किए है। पहला- कलेक्टर प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी बढ़ाई है और दूसरा तकनीक का सहारा लिया है। मंडल ने एक मोबाइल ऐप्लिकेशन तैयार किया है। इसके जरिए थानों से लेकर केंद्र तक पेपर पहुंचाने की मॉनिटरिंग की जाएगी। मंडल के अधिकारियों का दावा है कि देश में इस तरह की तकनीक का पहली बार इस्तेमाल होगा।

कैसे होगा यह, सिलसिलेवार जानिए...

कलेक्टर प्रतिनिधि थाने से प्रश्नपत्र निकलवाने के बाद केंद्राध्यक्ष और सहायक केंद्राध्यक्ष के साथ परीक्षा केन्द्र पहुंचकर परीक्षा सेंटर में तैनात शिक्षक, पर्यवेक्षक, स्कूल स्टाफ के मोबाइल फोन बंद कराकर एक अलमारी में सील करेंगे। परीक्षा केंद्र पर प्रश्नपत्रों के बॉक्स खुलने के पहले कलेक्टर प्रतिनिधि देखेंगे कि कंट्रोल रूम या केंद्राध्यक्ष के कक्ष में प्रश्न पत्रों के कोई भी पैकेट नहीं खोले जाए। कलेक्टर ने जिन अफसरों को प्रतिनिधि के तौर पर नियुक्त किया है उन्हें सबसे पहले मोबाइल ऐप पर खुद का रजिस्ट्रेशन कराना होगा। ये प्रक्रिया 15 जनवरी से 20 जनवरी के बीच होगी। इस अवधि के दौरान कलेक्टर प्रतिनिधि के पास मंडल की तरफ से मोबाइल ऐप की लिंक भेजी जाएगी। मोबाइल में ऐप डाउनलोड होने के बाद एक ओटीपी मिलेगा। ओटीपी दर्ज करने के बाद रजिस्ट्रेशन पूरा हो जाएगा। 20 जनवरी से 25 जनवरी के बीच हर जिले के कलेक्टर प्रतिनिधियों को संबंधित पुलिस थाने और परीक्षा केन्द्र जाकर मोबाइल ऐप के माध्यम से एक सेल्फी लेनी होगी। इस सेल्फी में पुलिस थाने और परीक्षा केन्द्र का नाम और पता स्पष्टरूप से बैकग्राउंड में दिखाई देना चाहिए।

विद्यार्थियो के लिए भी प्रोटोकॉल, एक घंटा पहले पहुंचना होगा...

छात्रों को परीक्षा शुरु होने के एक घंटा पहले परीक्षा केंद्र पहुंचना होगा। परीक्षा हॉल में बैठने का समय आधे घंटे पहले निर्धारित किया गया है। यदि कोई छात्र पांच मिनट की देरी से पहुंचता है, तो उसे परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यदि किसी छात्र को एक विषय में नकल करते हुए पकड़ा गया तो उसकी उस विषय की परीक्षा रद्द कर दी जाएगी। यदि छात्र एक से अधिक विषयों में नकल करते हुए पाया गया तो उसकी पूरी परीक्षा रद्द कर दी जाएगी। सामूहिक नकल (मास कॉपिंग) होने पर सभी छात्रों की परीक्षाएं रद्द कर दी जाएंगी।

कागजों तक सीमित नियम कायदे और योजना...

सब्जी विक्रेताओं के हवाले मुख्य मार्ग

प्रमुख मार्ग पर सब्जी मंडी, हर पद्रह मिनट में जाम

मंदसौर, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर में नियम कायदे और योजना बैठकों से बाहर नहीं निकलते। यहीं कारण है कि कलेक्टर, एसपी और जनप्रतिनिधियों के यातायात व्यवस्था सुधारने के प्रयास सिर्फ निर्देशों तक ही समिति हो रहे हैं। कहीं न कहीं अधिकारियों की लापरवाही के कारण निर्देश अमल में नहीं आ रहे। परिणाम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। मामला है गोल चौराहा क्षेत्र स्थित मुख्य मार्ग पर लगने वाली सब्जी मंडी का। निर्देशों के विपरीत शहर के गोल चौराहा क्षेत्र में सड़क पर सब्जी मंडी सज रही है। हालात ये हैं कि सुबह के समय भी हर 15 मिनट में जाम की स्थिति बन रही है। यहीं नहीं सड़क पर सब्जी बेचने की होड़ में आए दिन विवाद भी हो रहे हैं। दो माह पहले सब्जी दुकान के स्थान को लेकर 2 पक्षों में मारपीट हो गई थी। इस दौरान लाठियां भी चली थीं। शहर कोतवाली पुलिस ने मामले में 6 लोगों पर केस दर्ज किया था। यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने का दावा करने वाले प्रशासन व नगर पालिका यहां कार्रवाई तो दूर समस्या देखने तक नहीं पहुंच रहे हैं। ऐसे में वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कलेक्टर ने दिए थे निर्देश...

यातायात सुगम करने के उद्देश्य से तत्कालीन कलेक्टर गौतमसिंह ने सड़क सुरक्षा उपसमिति की बैठक में गोल चौराहा से दुकानों को अन्य जगह स्थापित करने के निर्देश दिए थे। इस बीच नपा ने सब्जी विक्रेताओं को अंदर सब्जी मंडी परिसर में भी स्थापित किया। लेकिन, अनदेखी के कारण गोल चौराहा पर सब्जी मंडी फिर से सड़क पर सजने लगी है। कलेक्टर के रहते तो नगरपालिका के अधिकारी कर्मचारियों ने थोड़ी सख्ती दिखाई। लेकिन, कलेक्टर के जाते ही स्थिति वापिस जस की तस हो गई।

गाड़ी भी घर तक नहीं ला सकते...

स्थानीय लोगों का कहना है कि घर के बाहर सब्जी मंडी लगने से बाहर निकलने में काफी परेशानी आती है। सड़क पर सब्जी की दुकान लगी होने से हम गाड़ी भी घर तक नहीं ला सकते हैं। राहगीरों ने भी बताया कि इस मार्ग से सीधे बीपीएल चौराहा या गांधी चौराहा की ओर जा सकते हैं लेकिन यहां जाम के कारण समस्या का सामना करना पड़ता है। इधर, सब्जी विक्रेताओं का कहना है कि पूर्व में स्थापित सब्जी मंडी में ही दुकानें लगा रहे थे। कुछ विक्रेताओं ने बाहर दुकानें लगाना शुरू की तो ग्राहक बाहर से ही खरीदी करने लगे। ऐसे में अन्य विक्रेताओं को देखकर हमने भी बाहर दुकानें लगा ली। परिसर में सफाई सहित अन्य सुविधाओं की भी कमी है।

तिराहे पर वड़ा पाव दुकान के सामने भी परेशानी...

इसी मार्ग पर तिराहे के समीप स्थित वड़ा पाव की दुकान के सामने बेतरतीब तरीके से रखे वाहनों के कारण भी कई बार जाम की स्थिति बनती है। लेकिन, जिम्मेदार यहां कार्रवाई करने से कतराते हैं। दुकान के सामने सड़क पर ही लोग खड़े रहते है व वाहनों को भी सड़क पर ही खड़ा करते हैं। ऐसे में लोग परेशान होते रहते हैं।

नई टीम के सामने जिले के क्षत्रप कांग्रेसियों का प्रभुत्व दरकने वाला है...

मंदसौर/उज्जैन, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी के नामो और जिम्मेदारियां की घोषणा से लगने लगा है की जिलों, कस्बों के छत्रपों के किले इस बार दरक जाएंगे और नई उपज के नेताओं के हाथों कमान आ जाएगी। इस आभास को महसूस तो पहले से ही किया जा रहा था। किन्तु, जीतू पटवारी की कार्यप्रणाली ने इसे पुख्ता कर दिया है। अब भविष्य में कांग्रेस के नए ऊर्जावान सिपाहियों को ही अवसर दिया जाएगा, वह भी योग्यता के आधार पर छत्रपों की सिफारिश पर नहीं। बीते समय से लगातार देखा जा रहा है कि नव युवा पदाधिकारी अति सक्रिय होकर कांग्रेस का जनाधार बढ़ाते नजर आ रहे हैं।

गरोठ के दुर्गेश पटेल युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष हैं। बीते पांच सालो से गरोठ भानपुरा को अपना कार्य क्षेत्र बनाकर जिले भर में सक्रियता से गतिविधियां करते आ रहे हैं। इसी कारण क्षेत्र के स्थापित कहलाने वाले सुभाष सोजतिया के परचम के रहते खुद को कांग्रेसी नेता की तरह पहचान दिलाने लायक बन गए हैं। दूसरे कांग्रेस के क्षत्रप नरेंद्र नाहटा के अपने भतीजे सोमिल नाहटा ने स्वयं को संसदीय क्षेत्र में अपनी राजनीतिक गतिविधियों से स्थापित ही कर लिया है। लोकसभा क्षेत्र के युवक कांग्रेस अध्यक्ष भी रह चुके हैं। साथ ही जीतू पटवारी की नई टीम के लिए अभी तक जिला अध्यक्षों के लिए सबसे उपयुक्त भी माने जा रहे हैं। इतना आभामंडल सोमिल ने अपनी मेहनत और सहयोगियों के बल पर बनाया है। सोमिल के अलावा मध्यम उम्र के राजेश रघुवंशी, दीपक गुर्जर अनुभवी कहलाने वाले ग्रामीण क्षेत्र के ओम सिंह भाटी का नाम भी जिला अध्यक्ष की दौड़ में शामिल है। जिला अध्यक्ष की तरह ही ब्लॉक अध्यक्षों के चयन को बारीक कसौटियों पर परखा जा रहा है। जबकि, दावेदारी तो दो बार वार्ड 39 से पार्षद चुनाव हारने वाले सुनील बसेर, चंद्रपुरा से हारने वाले राजेश सोलंकी और युवा नेता कमलेश सोनी लाला भी कर चुके हैं। कुछ ऐसे भी आवेदक हैं जो लोकसभा विधानसभा व अन्य चुनावों में कांग्रेस के लिए कभी फील्ड में काम करते नजर नहीं आए पर पद पाने की होड़ में शामिल है। ग्रामीण क्षेत्र के ब्लॉकों में भी सक्रिय जन आधार वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं से ज्यादा हारे हुए विधायकों के समर्थक अधिक जोर लगा रहे हैं। इनमें भी जो धनबल और संपर्कों के सहारे दौड़ में है उनके नाम सतह पर उभर कर आ रहे हैं।

चन्द्रमोहन भगत

खैर प्रयास करने का अधिकार हर कार्यकर्ता को है। किन्तु, जैसा कांग्रेस संगठन के हाई कमान से लेकर प्रदेश संगठन से लेकर जिला पदाधिकारी चयन के मापदंड जो बनाए गए हैं। उन दायरे की चर्चाएं चल रही है। उसी के अनुसार अगर पर्यवेक्षक आवेदनों को छांटकर नाम तय करेंगे तभी प्रदेश कार्यकारिणी की तरह नई और ऊर्जावान टीम जिला कांग्रेस की बन पाएगी।

विचार-मंथन

दिल्ली चुनाव: फिर आए लोकलुभावन वादों के दिन

हर राज्य विधानसभा चुनाव में राजनीतिक दलों के पास कई मुद्दे होते है, वह जनता से ज्यादा से ज्यादा वोट लेने के लिए जनता के लिए लोकलुभावन वादे भी करते है, योजनाएं भी लेकर आते है कि हम महिलाओं को इतना हजार देंगे, पुजारी ग्रंथी को इतना हजार देंगे, युवाओं को इतना पैसा देंगे।कोई कहेगा हम खटाखट देंगे तो कोई कहेगा हम फटाफट देंगे। राज्य में बिजली, पानी, शिक्षा, चिकित्सा फ्री है तो हम आएंगे तो हम भी फ्री करेंगे।यह सरकार पांच लाख तक फ्री इलाज कराएगी तो हम 25 लाख तक फ्री इलाज कराएंगे।यह सरकार महिलाओं को 2100 देगी तो हम 2500 देंगे। दिल्ली विधानसभा चुनाव में यह मुद्दे तो हैं लेकिन यह बड़े मुद्दे नहीं है।इनको राजनीतिक दल बड़ा मुद्दा नहीं बना सके हैं। भाजपा व मोदी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भ्रष्टाचार को बड़ा मुद्दा बना दिया है। वहां के सीएम के लिए बनाए गए शीशमहल को भाजपा ने भ्रष्टाचार का प्रतीक बना दिया है।भाजपा ने ऐसा इसलिए किया है कि वह जनता को बताना चाहती है कि यह केजरीवाल 2015 व 2020 वाला केजरीवाल नहीं है।जो भ्रष्टाचार का विरोध करता था,कहता था भ्रष्टाचार दूसरे करते है, हम तो कट्टर ईमानदार है। हम तो राजनीति बदलने आए हैं। भाजपा व मोदी दिल्ली की जनता को बता रहे हैं कि यह कट्टर बेईमान केजरीवाल है।यह कहता था हमारी सरकार आएगी तो हम बंगला नहीं लेंगे हम बंगले में नहीं रहेंगे,आज यही केजरीवाल अपने रहने के लिए करोड़ो रुपए की लागत से बने शीशमहल में रहना पसंद करता है।राजनीति बदलने का दावा करनेवाले केजरीवाल भी वही गंदी राजनीति कर रहा है जिसमें भ्रष्टाचार करना अनिवार्य माना जाता है, इसके आने से दिल्ली की राजनीति बदली नहीं है और गंदी हो गई है। भाजपा की सफलता यह है कि केजरीवाल के शीशमहल को उसने बड़ा चुनावी मुद्दा बना दिया है।इतना बड़ा मुद्दा बना दिया है कि केजरीवाल के फ्री के वादे,हजारों रुपए देने के वादे सब छोटे हो गए हैं।पीएम मोदी ने केजरीवाल और उनकी सरकार की जैसी आलोचना की है, वैसी आज तक कोई नहीं कर सका है, उन्होंने दिल्ली की जनता से कहा है कि केजरीवाल और आप की सरकार दिल्ली के लिए आपदा है।इस बार इसे बदल कर आप आपदा से मुक्ति पाएं।आप और केजरीवाल को शीशमहल व आपदा का जवाब देते नहीं बन रहा है। वह शीशमहल को पीएम आवास और देश के लिए बन रहे पीएम आवास से तुलना कर जायज बताने का प्रयास कर रहे हैं, वह मांग कर रहे हैं कि जनता को शीशमहल व पीएम आवास देखने की इजाजत मिलनी चाहिए ताकि जनता देख सके कि सीएम रहे केजरीवाल का घर कैसा है और मोदी का घर कैसा है।केजरीवाल के शीशमहल व पीएम आवास की तुलना तो हो नहीं सकती। आप वालों को शीशमहल जनता को दिखाना था तब क्यों नहीं दिखाया जब उसमें केजरीवाल रहते थे,तब तो मीडिया वालों को अंदर घुसने नहीं दिया गया। शीशमहल के मुद्दे को उठाने वाले मुद्दे पत्रकार से बदतमीजी की गई,एक पत्रकार को पंजाब में गिरफ्तार कर लिया था। आज आप नेता जब मालूम है कि शीशमहल में घुसने नहीं दिया जाएगा, पीएम हाउस में घुसने नहीं दिया जाएगा वह जनता व मीडिया को लेकर शीशमहल व पीएम हाउस जा रहे हैं।शीशमहल और पीएम हाउस की तुलना इसलिए नहीं की जा सकती की शीशमहल बनवाने में भ्रष्टाचार किया गया है. जबकि पीएम हाउस तो बना हुआ है,वहां देश के पीएम रहते हैं।वह वहां पर और कुछ बनवाते नहीं है, और बनवाने के लिए कोई भ्रष्टाचार नहीं करते हैं।केजरीवाल और आप नेता खुद को मोदी के समान ईमानदार नहीं बता पाते हैं तो यह बताने का प्रयास करते है कि देखों केजरीवाल सस्ती कमीज,चप्पल पहनते हैं,सस्ती कार में चलते हैं, मोदी के पास हजारों कपड़ें है वह दिन में कई बार कपड़े बदलते हैं, हजारों करोड़ के हवाई जहाज में विदेश घूमते हैं। दस लाख का सूट पहनते हैं, उनका चश्मा लाखों का है। केजरीवाल व आप से पहले राहुल गांधी व कांग्रेस भी मोदी की सूट बूट की आलोचना कर चुके है,राहुल गांधी को मोदी सरकार को सूट बूट वाली सरकार कहते थे क्या हुआ मोदी तीन लोकसभा चुनाव जीत चुके हैं और मोदी की निरंतर आलोचना करने वाले कांग्रेस व राहुल गांधी तीन बार लोकसभा का चुनाव हार चुके हैं।

आखिर चुनावी रेवड़ी को परिभाषित करना इतना मुश्किल क्यों है?

कमलेश पांडेय

वैसे तो सुप्रीम कोर्ट ने भी गत दिनों फ्रीबीज मामले पर सख्त टिप्पणी की और कहा कि राज्यों के पास उन लोगों को 'मुफ्त सौगात' देने के लिए पर्याप्त धन है, जो कोई काम नहीं करते। लेकिन जजों की सैलरी-पेंशन देने के लिए नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, राज्य के पास मुफ्त की रेवड़ियां बांटने के लिए पैसे हैं, लेकिन जजों की सैलरी-पेंशन देने के लिए नहीं है। राज्य सरकारों के पास उन लोगों के लिए पूरा पैसा है, जो कुछ नहीं करते; लेकिन जब जजों की सैलरी की बात आती है तो वे वित्तीय संकट का बहाना बनाते हैं। बता दें कि जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने यह मौखिक टिप्पणी उस समय की, जब अखिल भारतीय न्यायाधीश संघ से जुड़ी एक याचिका के निपटारे के क्रम में अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने दलील दी कि सरकार को न्यायिक अधिकारियों के वेतन और सेवानिवृत्ति लाभों पर निर्णय लेते समय वित्तीय बाधाओं पर विचार करना होगा। तब सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी की कि, राज्य के पास उन लोगों के लिए पैसा है जो कोई काम नहीं करते। चुनाव आते हैं, आप लाडली बहना और अन्य नयी योजनाएं घोषित करते हैं, जिसके तहत आप निश्चित राशि का भुगतान करते हैं। दिल्ली में अब आए दिन कोई न कोई पार्टी घोषणा कर रही है कि वे सत्ता में आने पर 2,500 रुपये देंगे। उल्लेखनीय है कि शीर्ष अदालत ने सेवानिवृत्त न्यायाधीशों

को पेंशन के संबंध में अखिल भारतीय न्यायाधीश संघ की ओर से 2015 में दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। जबकि, अटार्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने कहा कि वित्तीय बोझ की वास्तविक चिंताओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले कहा था कि, यह 'दयनीय' है कि उच्च न्यायालय के कुछ सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को 10,000 रुपये से 15,000 रुपये के बीच पेंशन मिल रही है। यहां ध्यान देने वाली बात है कि सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है, जब दिल्ली चुनाव में फ्रीबीज की बहार है। आम आदमी पार्टी ने वादा किया है कि उसकी सरकार बनी तो महिलाओं को 2100 रुपए हर महीने मिलेंगे। जबकि कांग्रेस 2500 रुपए देने की बात कह रही है। वहीं, भाजपा भी इसी तरह का ऐलान जल्द करने वाली है। उधर, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले ही पूरे दिल्ली में रेवड़ी पर चर्चा अभियान की शुरूआत कर दी थी। इस मौके पर उन्होंने दो टूक कहा था कि जनता का पैसा, जनता की रेवड़ी, तो उस पर हक भी जनता का ही है। केजरीवाल ने कहा कि, पीएम मोदी ने कई बार कहा है कि केजरीवाल मुफ्त की रेवड़ी दे रहे हैं और इसे बंद किया जाना चाहिए। जबकि केजरीवाल खुलेआम कह रहा है कि हम ये रेवड़ी दे रहे हैं। अब दिल्ली के लोगों को तय करना है कि उन्हें ये रेवड़ी चाहिए या नहीं। उन्होंने आगे चेताया कि, अगर बीजेपी जीतती है तो वे ये योजनाएं बंद कर देगी। क्योंकि बीजेपी ने अपने और अपने गठबंधन द्वारा शासित राज्यों में ये रेवड़ियां लागू नहीं की है। हालांकि उसकी कथनी और करनी में अंतर है। उन्होंने दो टूक कहा कि, ये मुफ्त की रेवड़ी नहीं हैं बल्कि ये करदाताओं के पैसे से लागू की गई योजनाएं हैं। वहीं, चुनाव आयोग ने भी इस मुद्दे पर कहा था कि, जिसे आप सामान्य भाषा में फ्रीबीज यानी मुफ्त की चीजें कह रहे हैं, वे महामारी जैसे दौर में लोगों की जान बचा सकती हैं। हो सकता है एक वर्ग के लिए जो अतार्किक हो वो दूसरे वर्ग के लिए जरूरी हो। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीतिक पार्टियों और मुफ्त में सुविधाएं दिए जाने का जिक्र करते हुए एक बार कहा था कि, इस तरह के वादे करके वोटरों को लुभाना राष्ट्र निर्माण नहीं, बल्कि राष्ट्र को पीछे धकेलने की कोशिश है। अगर राजनीति में ही स्वार्थ होगा तो कोई भी आकर पेट्रोल-डीजल भी मुफ्त देने की घोषणा कर सकता है। ऐसे क़दम हमारे बच्चों से उनका हक छीनेंगे। देश को आत्मनिर्भर बनने से रोकेंगे। ऐसी स्वार्थभरी नीतियों से देश के ईमानदार करदाता का बोझ भी बढ़ता ही जाएगा। ये नीति नहीं अनीति है। ये राष्ट्रहित नहीं, ये राष्ट्र का अहित है। एक बार पीएम मोदी ने बुंदेलखंड-एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करते हुए उत्तर प्रदेश के जालौन में तो यहां तक कह दिया था कि, आजकल हमारे देश में मुफ्त की रेवड़ी बांटकर वोट बटोरने का कल्चर लाने की भरसक कोशिश हो रही है। ये रेवड़ी कल्चर देश के विकास के लिए बहुत घातक है। रेवड़ी कल्चर वालों को लगता है कि जनता जनार्दन को मुफ्त की रेवड़ी बांटकर उन्हें खरीद लेंगे। हमें मिलकर रेवड़ी कल्चर को देश की राजनीति से हटाना है। वहीं, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस मुद्दे पर अपना पक्ष रखते हुए कहा था कि, कहा जा रहा है कि अगर सरकारें जनता को फ्री में सुविधाएं देंगी तो सरकारें कंगाल हो जाएंगी। देश के लिए बहुत आफत पैदा हो जाएगी। इन सारी फ्री की सुविधाओं को बंद किया जाए। इससे मन में एक शक पैदा होता है कि कहीं केंद्र सरकार की आर्थिक हालत बहुत ज्यादा खराब तो नहीं हो गयी है। अचानक ऐसा क्या हो गया कि इन सारी चीजों को बंद करने, वापस लेने या इनका विरोध करने की स्थिति आ गई। इससे दो कदम आगे बढ़कर उन्होंने आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार ने करोड़पति उद्योगपतियों के दस लाख करोड़ रुपए के कर्ज माफ़ किए थे। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा था कि, जब 2014 में केंद्र सरकार का बीस लाख करोड़ का बजट होता था। और आज केंद्र सरकार का बजट लगभग चालीस लाख करोड़ का है तो ये सारा पैसा जा कहां रहा है। इन्होंने बहुत अमीर लोग जो अरबपति हैं, उनके दस लाख करोड़ रुपये के कर्ज़े माफ कर दिए। अगर ये हजारों लाखों करोड़ों रुपये के कर्ज़े माफ नहीं किए जाते तो इन्हें खाने-पीने की चीजों पर टैक्स लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि एक बार कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में पूछे गए एक सवाल का जवाब ट्वीट किया था।

हम उतने ही भाग्यशाली हैं, जितना हम खुद को समझते हैं...

मनीष कुमार चौधरी

अगर भविष्यवाणी करने का कोई ऐसा तरीका है जो कभी विफल नहीं होता, तो वह है किस्मत। शायद इसीलिए लोग खुद से कहते है कि भाग्य वास्तव में केवल कड़ी मेहनत है। हम काम के बारे में कुछ कर सकते हैं- यानी, इसे करें। लेकिन काम और परिश्रम कभी भी भाग्य के अभिभावक नहीं हो सकते, क्योंकि भाग्य की कोई मां नहीं होती, कोई पिता नहीं होता, कोई मिसाल या संदर्भ नहीं होता। भाग्य एक स्वतःस्फूर्त उत्परिवर्तन है, जो असंभव का संकेत देता है, बेतरतीब ढंग से प्रकट होता है, मनमर्जी के अनुसार घूमता रहता है। हम उतने ही भाग्यशाली हैं, जितना हम खुद को समझते हैं। इसका एक मतलब यह है कि हम जितने अधिक आशावादी होंगे, उतना ही हम दूसरों को भाग्यशाली मानेंगे। अच्छी किस्मत तब होती है, जब चीजें हमारे लिए सही होती है। भले ही किसी घटना के परिणाम को पहले से न देख पाने या नियंत्रित न कर पाने की वजह से हमें इसकी उम्मीद करने का कोई कारण न नजर आता हो। अगर हम हर उस चीज का पूर्वानुमान लगा सकते हैं, जो होने वाली है, तो किस्मत के लिए कोई जगह नहीं होती। यह समझना कि जीवन का अधिकांश हिस्सा हमारे नियंत्रण से बाहर है, हमें अहंकार से मुक्त करता है। किस्मत कोई ताकत, कारक या माध्यम नहीं है, बल्कि यह जीवन के एक तथ्य का प्रतिबिंब है, क्योंकि ऐसी कई चीजें हैं, जिनका हम अनुमान नहीं लगा सकते। किसी दिन हमारे बहुत से कार्य अंधेरे में तीर चलाने के समान होते हैं। किस्मत को देखना, मानना या समझना इस बात पर निर्भर करता है कि किस्मत के प्रति हमारा दृष्टिकोण कैसा है? हम सड़क पर मिलने वाले सौ रुपए में ज्यादा आनंद लेते हैं, न कि उन सौ रुपए में जो हम मजदूरी के रूप में कमाते हैं। ऐसा क्यों है? जब किस्मत हमारे साथ होती है तो ऐसा लगता है जैसे दुनिया हम पर मेहरबान है। किस्मत को समझने का एक बेहतर तरीका है इसे दार्शनिक अंदाज में लेना। जिसे बुरी किस्मत कहा जाता है, उसे सहजता से लेना चाहिए। खुद को दूसरे मैदान और दूसरे दिन अच्छी लड़ाई के लिए तैयार करना चाहिए। यह याद रखने की जरूरत है कि किस्मत है तो बदलती ही रहती है। पुरानी कहावत है कि 'किस्मत के बारे में एक बात पक्की है कि यह बदलेगी।' यह उस जटिल और असहयोगी दुनिया की अपरिहार्य विशेषता है जिसमें हम काम करते हैं। हमें अपने निर्णयों और अपेक्षाओं में यथार्थवादी होना चाहिए, लेकिन इतना जोखिम लेने से भी नहीं बचना चाहिए कि हम अवसरों को खो दें। हमेशा आशावादी बने रहना याद रखना चाहिए। भाग्य वह है जो हमारे पास सौ फीसद देने के बाद बचा है। भाग्य और समय द्वारा निभाई गई भूमिकाओं को स्वीकार करना हमें सभी स्थितियों में अपना सर्वश्रेष्ठ देने से नहीं रोकता है, बल्कि हमें ऐसा करने के लिए स्वतंत्र करता है, परिणाम के बावजूद। अल्बर्ट आइंस्टीन ने एक बार कहा था, 'भगवान ब्रह्मांड के साथ पासा नहीं खेलते हैं।' फिर भी किस्मत बनी रहती है। ऐसा इसलिए है कि हम सब कुछ नहीं जान सकते। भले ही हमारे लिए किसी आकस्मिक घटना के होने का पूर्वानुमान लगाना संभव हो, लेकिन हमने ऐसा नहीं किया, इसलिए हम अभी भी भाग्यशाली हैं। भाग्य को हम जिस रूप में मानते हैं, उसकी एक अजीब आदत है कि वह उन लोगों का साथ देता है जो उस पर निर्भर नहीं होते और जब हम उस पर निर्भर होते हैं तो वह काफूर हो जाता है। किसी भी तरह से, चाहे वह समझ की कमी से हो या जानकारी की कमी से, अज्ञानता भाग्य का मुख्य आधार बनती है। हम कभी भी अपने भाग्य को नियंत्रित नहीं कर सकते, लेकिन कुछ तरीके हैं, जिनसे हम इसे प्रभावित कर सकते हैं। सबसे पहले सौभाग्य को आमंत्रित करके। उन अवसरों का लाभ उठाकर भाग्य को मौका देना चाहिए, जो हमें ऐसी स्थिति में डालते हैं जहां अनुकूल विकास हो सकता है। हम ऐसी दौड़ नहीं जीत सकते, जिसमें हम भाग नहीं लेते, न ही ऐसी लाटरी जीत सकते हैं, जिसके लिए टिकट नहीं खरीदते। दूसरा है, बाधाओं का सामना करना। सावधानी बरतते हुए भी कुशल प्रयास पर समझदारी भरे भरोसे को नहीं छोड़ना चाहिए और अपनी किस्मत पर भरोसा नहीं करना चाहिए। भाग्य तब होता है जब कौशल और अवसर एक साथ आते हैं। कई चीजें जो पहली नजर में भाग्य की तरह लगती हैं।

काश! अपने बुजुर्गों को हम काम लायक समझा पाते

भारत में चिकित्सकीय सुविधाओं के विस्तार के कारण औसत आयु में लगातार वृद्धि हो रही है। इस समय देश में बुजुर्गों की आबादी दस करोड़ से ज्यादा है। इनमें से 40 प्रतिशत बुजुर्ग गरीबी में जीते हैं। 18.5 प्रतिशत से अधिक के पास कोई नियमित आय नहीं है। ऐसे बुजुर्गों की स्थिति कैसी होती होगी, यह आसानी से समझा जा सकता है। पश्चिमी देशों में इसीलिए रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाई जा रही है, जिससे बुजुर्ग भी देश की तरक्की और उसकी आर्थिकी को बढ़ाने का काम कर सकें। अमेरिका में यह 67 साल है, तो कई देशों में 65 वर्ष। जर्मनी में भी 67 वर्ष है। अपने यहां शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वालों की भी सेवानिवृत्ति की उम्र निर्धारित है, जबकि अमेरिका में शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाले लोग शायद ही कभी रिटायर होते हैं। अमर्त्य सेन इसका बड़ा उदाहरण हैं। भारत में रिटायरमेंट की वही पारंपरिक उम्र चली आ रही है- 60 या 58 वर्ष। तर्क यह दिया जाता है कि अगर पुराने लोग रिटायर नहीं होंगे, तो नए लोगों को काम कैसे मिलेगा? सोचिए, अपने देश में दस करोड़ से अधिक की आबादी को हाथ पर हाथ रखकर रहकर बस मृत्यु का इंतजार करना है। इनमें से बहुत कम बुजुर्गों के पास पेंशन की सुविधा है, जिससे वे अपना भरण-पोषण कर सकें। अधिकांश वृद्ध अपने बच्चों और परिवार पर निर्भर हैं और इस निर्भरता में वे तरह-तरह की मुसीबतें झेलते हैं। उन्हें अकेला छोड़ दिया जाता, वक्त पर इलाज नहीं मिलता। बहुत बार वे भीख तक मांगने को मजबूर होते हैं। अभी बनारस की एक खबर सुर्खियां बनी थी, जिसमें एक लेखक को उसके बच्चों ने घर से निकाल दिया। उनके पास अस्सी करोड़ रुपये की संपत्ति भी थी, लेकिन अंतिम दिन एक कुष्ठ आश्रम में काटने पड़े। सूचना के बावजूद अंतिम संस्कार के वक्त भी बच्चे नहीं आए। देश के एक बड़े उद्योगपति के साथ भी ऐसा हो चुका है। मैं जहां रहती हूं, उसके आस-पास कई पार्क हैं। वहां देखती हूं कि बहुत से लोग यूं ही खाली बैठे रहते हैं। कई तो ऐसे हैं, जो गर्मी की भरी दोपहर में भी वहां नजर आते हैं। उन्हें देखकर लगता है, क्या घर के अंदर उनके लिए कोई जगह नहीं? यह भी कि अगर इनके पास कोई काम होता, तो ये इस तरह न बैठे रहते? डॉक्टर कहते हैं कि काम करते आदमी के मुकाबले खाली बैठा आदमी बहुत जल्दी रोगों का शिकार हो जाता है। डिप्रेशन यानी अवसादग्रस्तता की बीमारी उनमें से एक है। इसीलिए अध्ययन बता रहे हैं कि बुजुर्गों में 'रिटायरमेंट डिप्रेशन' बढ़ता जा रहा है। जीवन भर, सुबह-शाम नौकरी की आपाधापी में लगे रहे, अब एकदम खाली हो गए, ऐसे में यही सोच हावी हो जाती है कि अब दिन कैसे कटेगा? और यदि आय का कोई नियमित साधन या स्रोत न हो, तो जीवन कैसे चलेगा? इन दिनों बहुत से परिवारों के बच्चे या तो विदेश चले गए हैं या वे किसी दूसरे शहर में हैं। पैतृक शहर में भी हों, तो प्रायः माता-पिता के साथ नहीं रहना चाहते। ऐसे में, यह भावना आना स्वाभाविक है कि जिनके लिए जीवन खपा दिया, अंत में क्या हाथ आया? बड़े शहरों में तो फिर भी अगर घर में जगह न मिले, तो लोग मजबूर होकर वृद्धाश्रम का रुख कर लेते हैं, मगर छोटे शहरों में तो यह सुविधा भी नहीं है। बहुत से बुजुर्गों को घर में होते हुए भी बहुत अकेलेपन का सामना करना पड़ता है। चूंकि वे जिंदगी भर घर से बाहर रहे, इसलिए अब हर वक्त घर में रहना पत्नी और बच्चों को ही पसंद नहीं आता। इन बुजुर्गों के लिए क्यों नहीं ऐसी व्यवस्थाएं की जातीं, जिनसे वे समाज और बच्चों पर खुद को बोझ न समझें और रिटायरमेंट को जीवन का अंत न मान बैठें।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5476

					9			6
					3	8	5	1
	6	2		1	5			
		7					6	
	2	1	9	7	6	3	8	
	3					1		
			4	5		9	7	
2	5	8	6					
4			3					

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र.5475

1	6	7	5	2	4	9	3	8
2	3	9	1	7	8	6	5	4
8	5	4	3	9	6	2	7	1
6	9	8	7	4	2	3	1	5
7	2	3	6	1	5	4	8	9
5	4	1	8	3	9	7	6	2
3	1	2	4	8	7	5	9	6
9	7	6	2	5	1	8	4	3
4	8	5	9	6	3	1	2	7

वर्ग पहेली 5476

संकेत: बाएं से दाएं
1. [illegible] 13 अक्टूबर 1911 को जन्म लिया था (6)
6. [illegible] (3)
7. [illegible] (3)
9. [illegible] (5)
11. [illegible] (5)
13. [illegible] (2)
16. [illegible] (1996)(5)
19. [illegible] (1)
20. [illegible] (2)
21. [illegible] (2)
22. [illegible] (4)

ऊपर से नीचे
1. [illegible] (5)
2. [illegible] (2)
3. [illegible] (2)
4. [illegible] (3)
5. [illegible] (3)
8. [illegible] (3)
9. [illegible] (4)
10. [illegible] (2)
12. [illegible] (3)
14. [illegible] (4)
15. [illegible] (3)
17. [illegible] (3)
18. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5475 का हल

बो	ली	वि	या			[illegible]	ना
[illegible]	मा	ल		अ	त	री	
ही		[illegible]	ल	मा	र		[illegible]
ना	[illegible]	न			[illegible]	[illegible]	[illegible]
	न		ही			[illegible]	[illegible]
सा	[illegible]	न	[illegible]	[illegible]	[illegible]		
पा	[illegible]	न		[illegible]	ल		[illegible]
	क		पा	ना		[illegible]	क

आज का राशिफल

मेष : [illegible]

वृषभ : [illegible]

मिथुन : [illegible]

कर्क : [illegible]

सिंह : [illegible]

कन्या : [illegible]

तुला : [illegible]

वृश्चिक : [illegible]

धनु : [illegible]

मकर : [illegible]

कुंभ : [illegible]

मीन : [illegible]

स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा हम सभी को ऊर्जा से सराबोर करती है

सूर्य नमस्कार संजय गांधी उद्यान में संपन्न, नशा मुक्ति एवं टीबी मुक्ति के लिए पैदल रैली को सांसद गुर्जर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

मंदसौर, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। स्वामी विवेकानंद की जयंती 'युवा दिवस' के अवसर पर जिला स्तरीय सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम संजय गांधी उद्यान मन्दसौर में हुआ। इसमें जिले के स्कूलो द्वारा सूर्य नमस्कार किया गया। इस अवसर पर राज्य सभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया, कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद, सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, योग गुरु द्वय श्री सुरेन्द्र, श्री बंशीलाल, पार्षद, जिला अधिकारी एवं स्कूलों के छात्र छात्राएं उपस्थिति थे। जिले के सभी विद्यालय, महाविद्यालय, शिक्षा संस्थान ,पंचायतों में सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम हुआ।

मुख्यमंत्री के सजीव प्रसारण को सभी ने देखा और सुना। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत वंदे मातरम् से हुई। सामूहिक सूर्य नमस्कार के अवसर पर मध्य प्रदेश गान भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगान जन गण मन हुआ। स्वामी विवेकानन्द एक ऐसी प्रेरणा थे, जिनके विचार आज भी हम सब को ऊर्जा से भर देते हैं। जो व्यक्ति अपने आप पर भरोसा करता है, उसकी मदद ईश्वर भी करता है। प्रत्येक नागरिक को शरीर और मन से स्वस्थ होना चाहिये। शरीर को सशक्त बनाने का सबसे सशक्त माध्यम योग है। सूर्य नमस्कार और प्राणायाम करके योग के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। बडे लक्ष्य की प्राप्ति के लिए स्वामी विवेकानन्द के बताये मार्ग पर चलना होगा। सूर्य नमस्कार और प्राणायाम को अपनाना होगा और स्वयं को समाज और देश के लिये कार्य करने के बडे लक्ष्य से जोडना होगा। योग हमें अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। योग से जहां एक ओर स्वास्थ्य ठीक रहता है वहीं शारीरिक एवं मानसिक विकास भी होता है। योग से कई प्रकार की बीमारियों से भी मुक्ति मिलती है। सूर्य नमस्कार में योग के सभी आसनों का समावेश होता है। नशा मुक्ति एवं टीबी मुक्त भारत अभियान का संदेश दिया गया। साथ ही सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर द्वारा शपथ दिलाई गई। नशा मुक्ति एवं टीबी मुक्त के लिए संजय गांधी उद्यान से रेली का आयोजन किया गया। पैदल रेली संजय गांधी उद्यान से प्रारंभ होकर पुलिस कंट्रोल रूम, गुप्ता कचौरी चौराहा, बंटी चौराहा होते हुए संजय गांधी उद्यान में संपन्न हुई।

स्वामी विवेकानंद जी का जीवन प्रेरणादायी रहा-दास

स्वामी विवेकानंदजी की जयंती पर जिला स्तरीय संवाद कार्यशाला सम्पन्न

मंदसौर, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। म.प्र. जन अभियान परिषद् द्वारा स्वामी विवेकानंद जी की जयंती (राष्ट्रीय युवा दिवस) के अवसर पर जिला स्तरीय संवाद कार्यशाला का आयोजन रविवार को उत्कृष्ट विद्यालय मंदसौर में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि श्रीमती रमादेवी गुर्जर अध्यक्ष नगरपालिका मंदसौर, विशेष अतिथि एवं मुख्य वक्ता श्री सुदीप दास प्राचार्य शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल बालागंज मंदसौर, गायत्री परिवार से बहन श्रीमती नम्रता शर्मा मंचासीन थे। इस अवसर पर मुख्यवक्ता श्री सुदीप दास ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के बचपन का नाम नरेन्द्र था। कहा जाता है कि उनके गुरु रामकृष्ण परमहंस महान संत थे। स्वामी विवेकानंद एक कवि के रूप में भी देश में जाने जाते थे। स्वामी

विवेकानंदजी युवा अवस्था से ही अंग्रेजी के अच्छे ज्ञाता रहें है। जो धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलने में माहीर थे। शिकांगो के सम्मेलन में उन्होंने भाईयों और बहनों के सम्बोधन से शुरूआत कर उन्होंने विश्व को अपनी ओर आकर्षित किया था। विवेकानंद जी के जीवन को जानने में पूरा जीवन भी कम पडता है। विवेकानंदजी का जीवन एक खुली किताब के समान था। विवेकानंदजी युवाओं के मार्गदर्शक रहें है। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर ने कहा कि विवेकानंद जी के जीवन से युवाओं को प्रेरणा लेना चाहिए। उनके आदर्शो पर चलना चाहिए तभी विवेकानंद जी की सच्ची जयंती हम मना पायेंगे। बहन नम्रता शर्मा ने कहा कि गायत्री मंत्र के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए मंत्र के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंदजी के चित्र पर माल्यार्पण के साथ किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ पश्चात् सभी प्रतिभागियों द्वारा सूर्य नमस्कार किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन इन्द्रजीत भट्ट ने किया एवं अंत में आभार प्रदर्शन म.प्र. जन अभियान परिषद् की जिला समन्वयक तृप्ती वैरागी ने किया। कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक नारायणसिंह निनामा, अर्चना भट्ट, अर्चना रामावत, परामर्शदाता, सीएमसीएलडीपी छात्र-छात्राएं, नवांकुर संस्था प्रतिनिधि एवं प्रस्फुटन समितियों के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जीवन में सफलता के लिये दृढ़ संकल्प आवश्यक-आचार्य रामानुजजी

श्री हरिकथा आयोजन समिति द्वारा रामकथा का नवम दिन, विधायक विपिन जैन ने दो एवं सोमानी परिवार ने एक कन्या के विवाह की घोषणा की

मंदसौर, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। श्री हरिकथा आयोजन समिति के तत्वावधान में आचार्य श्री रामानुजजी ने रामकथा के नवम दिन व्यास पीठ से कहा कि सद्गुरु के वचन याद करके सफलता के राम ना मिले तब तक रुकना मत। मन की बने तो मुस्करा देंना यदि मन की ना बने तो और ज्यादा मुस्करा देना अपने मन की नही लेकिन राम के मन की हो गई। जीवन मे जो हो रहा है होने दो, अपने मन की ना बने तो मुस्करा देना , मन की ना बने तो चुप रह जाना। सायुज्य मुक्ति के मार्ग पर गुरु कृपा के सहारे यात्रा करोगे तो ही मुक्ति मिलेगी। राम सुने ना सुने एक दिन राम के लिए रोते हुए गुरु की नजर में आ गए तो गुरु हाथ पकडकर राम से मिला देंगे इसलिये गुरु के प्रति सम्पूर्ण आस्था होनी चाहिए। क्योंकि गुरु कृपा हो गई तो राम जहां भी होंगे वहां से आकर मिलेंगे।

श्री हरिकथा आयोजन समिति द्वारा 21 कन्याओ के नि:शुल्क विवाह के संकल्प के साथ आयोजित श्री रामकथा के नवम दिन मंदसौर के विधायक विपिन जैन ने दो कन्याओ एवं सोमानी परिवार रलायता ने एक कन्याके विवाह की घोषणा की। इस अवसर पर आयोजन समिति ने उनका स्वागत किया। आचार्य श्रीरामानुज जी ने कहा कि गुरु मिले तो नारद जैसे, श्रद्धा से एक क्षण भी भगवान का नाम संकीर्तन करे तो उसके समस्त अपराध समाप्त कर देते हैं। गुरु कृपा का ही परिणाम है कि हमे भगवान का आश्रय मिलता है। यदि भगवान को नजर में रखकर, गुरु का कहा करोगे तो वह राम की पूजा होगी। जिंदगी एक रेस है। जीवन मे यदि किसी को गले ना लगे सके कोई बात नही लेकिन हमारे अंदर वह रामत्व चाहिए कि किसी को गले लगा सके। जीवन मे किसी के साथ चल सकों तो जरूर चलियेगा। जीवन मे सफलता के लिये दृढ़ संकल्प आवश्यक है यदि संकल्प ना हो तो यात्रा अधूरी रह सकती है। आचार्य श्री ने कहा जब हम परमात्मा को याद करते हैं तो हमारे अंदर बैठा परमात्मा मुस्कराता है। इस भवाटरी से छूटना चाहते हो तो हमारे राम हमसे नही छुटने चाहिए। श्री रामकथा के नवम दिवस सांसद सुधीर गुप्ता, विधायक विपिन जैन, पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद, महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष नरेश चंदवानी, मंडल अध्यक्ष अरविंद सारस्वत, विजय उर्मिला सोमानी, मनीष तृप्ति सोमानी, मधुर सोमानी, सुरेश सोमानी परिवार, जगदीश चंद्र रत्नावत, प्रीति गौरव रत्नावत, कल्प रत्नावत, सिद्धि विनायक हॉस्पिटल, परिवार, देवेंद्र मरच्या, ओमप्रकाश शुक्ला, कृष्णवल्लभ सेठिया, ओम प्रकाश चौधरी, शरद गांधी, मयंक गांधी, अमित जैन, कृष्ण चंद्र चिचानी परिवार, पंकज चिचानी, नीलेश चिचानी, जगदीश चंद्र छापर वाल परिवार के सत्यनारायण छापरवाल, निर्मल छापरवाल, मधुसूदन छापरवाल प्रेस क्लब संरक्षक संजय पोरवाल, पुष्पराजसिंह राणा, अमित अग्रवाल, डॉ सीएस पाटीदार, जीतू पारिख, जेठानंद होतवानी, लक्ष्मण होतवानी महाराणा प्रताप क्लब, समेत गणमान्यजनों ने किया।

विधि महाविद्यालय, मंदसौर में 'युवा सप्ताह' के उपलक्ष्य में योग दिवस का हुवा आयोजन, योग गुरु श्री टांक ने कराया सूर्य नमस्कार

मंदसौर, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। श्री जवाहरलाल नेहरू स्नातकोत्तर विधि महाविद्यालय में आज दिनांक 12.01.2025 को 'युवा सप्ताह' के अंतर्गत योग दिवस का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा सहभागिता की गई। इस अवसर पर प्रसिद्ध योग गुरु श्री बंशीलाल टॉक द्वारा विद्यार्थियों को सूर्य नमस्कार विभिन्न योग मुद्राएँ सिखायी गई। श्री बंशीलाल टॉक द्वारा विद्यार्थियों को उद्बोधन में यह कहा गया कि, योग से संपूर्ण शरीर स्वस्थ्य रहता हैं। प्रत्येक व्यक्ति को योग को अपनाना चाहिए। इस अवसर पर महाविद्यालय के सचिव एवं पूर्व न्यायाधीश माननीय श्री रघुवीरसिंह चुंडावत द्वारा भी विद्यार्थियों को संबोधित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विनोद जी पाटीदार द्वारा अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. राजेश कौशिक, डॉ. सीमा श्रीमाल, डॉ. रूचि कुंवर देवडा, प्रो. चंचल शर्मा, प्रो. हेमलता चौहान, प्रो. साक्षी माली, श्री दीपक बैरागी, श्री कुलदीप वर्मा, सुश्री चेतना धनगर आदि उपस्थित रहें। प्राचार्य महोदय एवं सचिव महोदय द्वारा श्री बंशीलाल टॉक का शॉल व श्रीफल देकर स्वागत किया गया।

पीएम कॉलेज में डाक चौपाल का आयोजन सम्पन्न

मंदसौर, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। पी.एम. कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के प्राचार्य डॉ. वी.पी. तिवारी ने बताया कि जिला डाक विभाग और महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के संयुक्त तत्वावधान में डाक चौपाल का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य डाक विभाग की विभिन्न योजनाएं बचत, बीमा, खाता खुलवाना आदि की जानकारी देना था। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्य प्रतिनिधि डॉ. उषा अग्रवाल ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि डाक विभाग के सदस्य हमारे विद्यार्थियों को डाक विभाग से संबंधित योजनाओं की जानकारी देने आए हैं। कार्यक्रम में पोस्ट मास्टर, डाक विभाग आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस हर वर्ष 12 जनवरी को मनाया जाता है, जो स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इसके मद्देनजर पीएम कॉलेज में डाक चौपाल

कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य डाक विभाग के उत्पादों और सेवाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना है।

कार्यक्रम में जनसंपर्क प्रमुख डाक विभाग विनय शर्मा जी ने बताया कि युवाओं को कम उम्र से ही अपनी वित्तीय स्वतंत्रता और कैरियर विकास सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। डाक चौपाल युवा विद्वानों को संवादात्मक, समुदाय-आधारित माहौल में शामिल करने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान करता हैं। कार्यक्रम में डाक विभाग से श्वेता जैन ने बताया कि युवा उद्यमियों को डाकघर सेवाओं, जैसे कि इंडिया पोस्ट पार्सल और डाक घर निर्यात केंद्र का लाभ उठाने, ई-कॉमर्स और निर्यात संभावनाओं का पता लगाने, व्यापार वृद्धि के लिए नए रास्ते तलाशने के बारे में शिक्षित करने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में डाक विभाग से आए अभिषेक सोलंकी ने बताया कि डाक चौपाल का उपयोग सार्वजनिक भविष्य निधि, सुकन्या समृद्धि योजना और महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र एवं पोर्टल के बारे में जागरूकता पैदा करने और युवाओं को उपलब्ध विभिन्न इंटर्नशिप अवसरों का पता लगाने के लिए किया गया है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिल कुमार आर्य ने किया है एवं आभार भूगर्भशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. विनीता कुलश्रेष्ठ ने माना। कार्यक्रम में डॉ. तुषारकांत झाला, डॉ. वीणा सिंह, डॉ. राजेश सकवार, डॉ. रीतिबाला भोर, डाक विभाग से दिलीप सूर्यवंशी, अंबाराम, गोविंद भूरिया समेत महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी समेत एन.एस.एस. के स्वयंसेवक उपस्थित थे।

सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में मनाई स्वामी विवेकानंद जयंती

मंदसौर, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय, संजीत मार्ग, मंदसौर में 12 जनवरी को को स्वामी विवेकानन्द जयंती मनाई गयी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सरस्वती शैक्षिक विहार के प्रबंधक एवं भारतीय आदर्श शिक्षण समिति के सहसचिव श्री सुनील शर्मा ने दीप प्रज्वलित एवं सरस्वती वंदना कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। अतिथि परिचय महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. योगिता सोमानी ने किया। श्री सुनील शर्मा ने स्वामी विवेकानंद की जीवन शैली के विषय में प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी देते हुए कहा की शिक्षक को हमेशा शांत शालीन एवं प्रसन्न मुद्रा में ही रहना चाहिये। उन्होंने भारत के प्रमुख ग्रंथों, पुस्तकों को पढने एवं उन्हें अपने जीवनशैली में उतराने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के पश्चात डी. एल. एड. एवं बी. एड. के प्रशिक्षणार्थियों से शारीरिक शिक्षक द्वारा सूर्य नमस्कार करवाया गया। कार्यक्रम में समस्त स्टॉफ उपस्थित रहे। आभार सहायक प्राध्यापक श्री संजय डागर ने माना।

सरस्वती विद्या मंदिर में युवा दिवस पर सामूहिक सूर्य नमस्कार

मंदसौर, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। आज दिनांक - 12 जनवरी 2025 रविवार को सरस्वती विद्या मंदिर उ.मा.वि. केशव नगर, मंदसौर मेंस्वामी विवेकानन्द जी की जयंती पर?? सूर्यनमस्कार का आयोजन किया गया।जसमें विद्यालय के भैया/बहिन आचार्य परिवार सहभागी रहे

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री दिनेश जी पालीवाल (सदस्य, प्रोफेसर राजेंद्र सिंह शिक्षण समिति, मंदसौर) श्री संतोष जी यादव (प्राचार्य केशव नगर, मंदसौर) श्री राजपालसिंह जी सिसौदिया (प्रधानाचार्य केशव नगर, मंदसौर) मंचासीन रहे।सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया साथ ही शारीरिक व्यायाम, योग ताडासान, अर्द्धकटीचक्रासन, मण्डुकासन आदि योग कराए ।तत्पश्चात सामुहिक सूर्य नमस्कार किये गए। मुख्य अथिति ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वामी विवेकानन्द के आदर्शो से प्रेरणार लेकर हमें जीवन में आगे बढने का प्रयास करना चाहिए, साथ ही योग एवं ध्यान से मन को एकाग्र करना चाहिए, जिससे स्मरण शक्ति बढती है।प्राचर्य जी द्वारा स्वामी जी जीवन की अनेक बतों को बताया गया एवं विद्यालय की दीदी श्रीमती विद्या दोशी द्वारा विवेकानन्द जी के जीवन के बारे में बताया गया।कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की दीदी श्रीमती अंतिमबाला शर्मा, अतिथि परिचय श्री मनीष जी हलवे, स्वागत विद्यालय के आचार्य श्री वरदीचंद श्रीमाल एवं भावना बालवानी ने किया।

पत्रकार संगठन का राष्ट्रीय पत्रकार महासम्मेलन सम्पन्न

मंदसौर, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिले में IFWJ (इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स) और आइसना (आल इंडिया सेंट्रल जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन) पत्रकार संगठन द्वारा राष्ट्रीय पत्रकार महासम्मेलन का आयोजन फतेपुरिया अग्रवाल धर्मशाला मे सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस महासम्मेलन में देशभर से पत्रकारों ने भाग लिया और मीडिया से जुडी विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। सम्मेलन के दौरान पत्रकारों के अधिकारों, कार्य स्थितियों और मीडिया में नैतिकता को लेकर महत्वपूर्ण विचार-विमर्श हुआ। इस आयोजन ने पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका को फिर से रेखांकित किया और भविष्य में पत्रकारों के हित में कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस मौके पर उपस्थित मंदसौर-नीमच संसदीय क्षेत्र के सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि पत्रकार हमारी समाज का चौथा और मजबूत स्तंभ है। आज हम जिस स्थिति में खडे हैं, वह पत्रकारिता के महत्वपूर्ण योगदान के कारण ही संभव हुआ है। उन्होंने पत्रकारों की भूमिका को सराहा और कहा कि पत्रकारिता ने हमेशा समाज में जागरूकता और सच्चाई की आवाज उठाई है, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव आया है। क्षेत्रीय विधायक विपिन जैन ने भी आईसना पत्रकार संगठन के आयोजन की सराहना की और पत्रकारों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज का आईना होते हैं, जो देश और समाज में हो रहे घटनाओं को उजागर करते हैं।

भारतीय सिंधु सभा युवा शाखा द्वारा मनाया युवा दिवस

मंदसौर, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। स्वामी विवेकानंद जी की जन्म जयंती 12 जनवरी के अवसर पर भारतीय सिंधु सभा युवा शाखा द्वारा युवा दिवस मनाया गया। जिसमें राजीव गांधी शासकीय महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जोर - शोर से नारे लगा कर स्वामी विवेकानंद जी को याद किया गया। भारतीय सिंधु सभा युवा शाखा जिला अध्यक्ष दिनेश चंदवानी ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द जी ने सभी धर्मों की एकता, मानवता के प्रति प्रेम और भारत की अद्वितीय संस्कृति पर जोर दिया था। उन्होंने बताया कि हर इंसान के भीतर अपार शक्ति है, बस उसे पहचानने और सही दिशा में लगाने की जरूरत है। युवा शाखा महासचिव चंद्र प्रकाश आडवाणी ने बताया कि स्वामी जी ने युवाओं से कहा, 'उठो, जागो और तब तक रुको नहीं जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। उनके ये शब्द युवाओं को निरंतर प्रयास और धैर्य रखने की प्रेरणा देते हैं। साथ ही युवाओं को संकल्प दिलाया कि हम सब युवा साथी राष्ट्र और समाज के हित के हर कार्य में हमेशा तत्पर और सजग रहेंगे। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक व समाज के वरिष्ठ शंकर भाई चंदानी व वासुदेव चंदवानी ने युवा शाखा द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। युवा दिवस के इस अवसर पर जय राम जी की प्रयास सेवा समिति के द्वारा वार्षिक सामाजिक कैलेंडर का विमोचन भी युवा साथियों और वरिष्ठ जनों की मौजूदगी में किया गया। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक दुर्गेश बेलानी, उपाध्यक्ष डा गिरीश शर्मा, सचिव जितेंद्र हरवानी व शैलेन्द्र बाबानी, कोषाध्यक्ष दीपक बालवानी, जय राम जी कि प्रयास सेवा समिति अध्यक्ष प्रकाश लालवानी, दिलीप साधवानी, रूपेश चंदवानी, रोहित सबनानी, गर्विश रामनानी, हेमंत पमनानी इत्यादि उपस्थित थे। आयोजन का संचालन युवा शाखा प्रदेश उपाध्यक्ष विजय कोठारी ने किया और आभार उपाध्यक्ष ललित हरवानी ने किया।

पं.दीनदयाल उपाध्याय सरकारी चिकित्सालय शीघ्र शुरू किया जाए

मनासा, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जाँच के लिये मनासा के प्राथमिक चिकित्सालय जाना हुआ तो अस्पताल को बन्द देखकर आश्चर्य हुआ। पूछताछ की तो पता चला कि यह अस्पताल बंद कर दिया गया है एवं यहाँ का स्टाफ 2-3 किलोमीटर दूर नीमच रोड पर नवनिर्मित नये अस्पताल मे सेवाएं दे रहा है। जानकर आश्चर्य हुआ। करीब 20 वर्ष पूर्व भी मनासा मे एक बडे अस्पताल की आवश्यकता की चर्चा जोरों पर थी तब आनन-फानन मे बिना प्रशासकीय अन्तर मंत्रालयीन औपचारिकताओ को पूरा किये नये अस्पताल भवन का शिलान्यास भी तत्कालीन मंत्री महोदय ने पशु चिकित्सालय परिसर मे कर दिया था, जो तकनीकी कारणों से बन नही सका। फिर 15 वर्ष पूर्व नीमच रोड पर नवीन भवन बनाने का प्रस्ताव आया तो जनता के विरोध के कारण नगर के मध्य ही पुराने अस्पताल की जगह नवीन भवन बनाया गया जिसमें लेबोरेट्री, एक्स-रे, एम्बुलेंस, पार्किंग सहित लगभग सभी प्राथमिक सुविधाओं का ख्याल रखा गया था।

समय के साथ सुविधाओं और विशेषज्ञों की जरूरत को देखते हुए सरकार ने नीमच मार्ग पर 100 बिस्तर वाले अस्पताल की नवीन सौगात दी थी जो आवश्यक एवं श्रेयस्कर थी और मनासा क्षेत्र के लिये एक बडी सुविधा की बात थी जिसके लिये जनता ने शासन-प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों को दिल खोलकर धन्यवाद भी दिया था। साथ ही दिल्ली की आप सरकार के लोककल्याणकारी सरकारी विद्यालयों एवं मोहल्ला क्लिनिक की तर्ज पर मध्यप्रदेश सरकार ने भी सी एम राईज स्कूल और संजीवनी अस्पताल खोलने का प्रशंसनीय अनुकरण किया एवं इसी के तहत मनासा मे भी संजीवनी अस्पताल के लिए दो नवीन भवन बनाएं गये, ताकि नगरवासियों को त्वरित स्वास्थ्य सुविधा उनके निवास के नजदीक या मोहल्ले मे ही मिल सके ,यह भी बताया गया कि इन मोहल्ला क्लिनिक मे एक एमबीबीएस चिकित्सक, 2नर्स एवं लेबोरेट्री जाँचकर्ता सहित 5 लोगों का स्टाफ रहेगा एवं 68 तरह की जाँच, टीके, सर्दी जुकाम बुखार, चक्कर रक्तचाप, उल्टी, दस्त एवं चोंट जैसी अन्य बीमारियों का इलाज एवं मरहम पट्टी नजदीक ही हो सकेगा।इनका औपचारिक उद्घाटन भी करीब एक साल पहले किया जा चुका है, निश्चित ही शीघ्र ही संचालित भी होंगे ही। जबकि एक तरफ सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को और ज्यादा नजदीक लाने की योजना बना रही हो वहीं नगर के मध्य की सुविधाओं को बन्द करना न तो तर्कसंगत है न ही जनहितैषी ही। यह भी ज्ञातव्य है कि मनासा के पुराने सरकारी अस्पताल का नामकरण करीब 15 साल साल पहले पं.दीनदयाल उपाध्याय के नाम से किया गया था और नीमच मार्ग वाला 100 बिस्तर अस्पताल इसका उन्नयन नहीं होकर एक नई सौगात थी अत: इसका नाम न तो पं.दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर रखा और न ही इसका नाम बदला गया बल्कि नवीन अस्पताल को नई सौगात के रूप में ही मानकर इसका नामकरण मनासा की राजनीति, धर्म , अध्यात्म और सामजिक गतिविधियों के केंद्र रहे स्व.रामेश्वरलाल मारू के नाम से 'रामेश्वरलाल मारू चिकित्सालय' किया गया।

अतिरिक्त नवीन अस्पताल समय की मांग है लेकिन मनासा की करीब साठ हज़ार जनता को सर्दी-जुकाम, बुखार, चक्कर, रक्तचाप, खून पेशाब , रक्त शर्करा, मलेरिया आदि की जाँच, आकस्मिक चोंट हृदयाघात, लकवा आदि के लिये मरीज के परिजन निकटतम अस्पताल ही जाते हैं।मर्द के कार्य पर जाने, नौकरी, परगांव जाने, कोर्ट कचहरी या रिश्तेदारी मे व्यस्त होने पर महिलाएं ही बच्चों का टीका लगवाने या उन्हें दिखाने पैदल ही आती है। कई लोग अपने परिजनों को साइकिल, ठेले या रिक्शा मे लाते दिख जाते है, हृदयाघात, लकवा, ब्रैन हेमरेज जैसी कई बीमारियों मे देरी होने पर लाइलाज हो जाती है, चिकित्सक भी कह देता है आधा घंटा देर हो गयी। रामपुरा-कुकडेश्वर को छोड दें, जहां बडे अस्पताल है तो मनासा के 8-10 किलोमीटर क्षेत्र की करीब सवा लाख आबादी मे साठ हजार की आबादी तो मनासा नगर की ही है। वाह्य रोगी विभाग मे प्रतिदिन सभी अस्पतालों मे करीब 2000 मरीज़ रोज आते है, सरकारी अस्पताल मे ही यह संख्या करीब 400 के लगभग तो होगी ही, फर्ज करो रोज 10-20 आदमी रात्रि मे अचानक बीमार होकर चिकित्सकीय परामर्श और इलाज की जरूरत महसूस करते होंगे, यदि रात्री मे घनघोर बरसात हो रही हो या कडाके की ठंड हो, साय-साय करती शीतलहर हो, अर्धरात्रि का सन्नाटा पसरा हो, क्या दो पहिया वाहन पर मरीज़ को दूर के अस्पताल आसानी से ले जाया जा सकता है ? या मारपीट का मामला हो 1-2 लोगों के पीछे 5-7 गुंडे पडे: हो, क्या वो दूर के अस्पताल तक उन्हें इलाज के लिये जाने देंगे ? फिर 80% लोगों के पास चौपहिया वाहन नही है, 20 से 30% लोगों के पास दुपहिया वाहन भी नही है इस तथ्य को भी हम नजर अंदाज नही कर सकते।

एक तरफ नजदीक ही मोहल्ला क्लिनिक (संजीवनी अस्पताल) खोलने का बेहतरीन निर्णय दूसरी तरफ उपलब्ध सुविधाओं को ही बन्द कर देना समझ से परे है। ऐसा लगता है इस सम्बंध में संवेदनशील जनप्रतिनिधियों की राय नही ली गयी अन्यथा आम जनता की जरूरत की यह बुनियादी सुविधा बन्द नही की जा सकती थी। आम जनता के दुख-दर्द से जुडी इस बुनियादी सुविधा को बहाल करने मे कोई झिझक नहीं होना चाहिये। मै स्थानीय विधायक, एवं जिलाधीश महोदय को भी इस सम्बंध मे आग्रह पत्र लिख रहा हूँ जिला प्रशासन, संवेदनशील जिलाधीश महोदय, जिला चिकित्सा अधिकारी, विधायक एवं सरकार से जुडे प्रभावी लोगों से विनम्र आग्रह है कि रामेश्वरलाल मारू सिविल अस्पताल की नई सौगात के साथ ही पूर्व से ही संचालित नगर के मध्य स्तिथ पं. दीनदयाल उपाध्याय चिकित्सालय को भी यथावत संचालित किये जाने हेतु योग्य कदम उठाए।

बृजमोहन समदानी, मनासा

शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों ने किया सूर्य नमस्कार

विधायक परिहार, कलेक्टर एवं एसपी की उपस्थिति में हुआ सामूहिक सूर्य नमस्कार

नीमच, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के साथ ही सम्पूर्ण नीमच जिले में भी स्वामी विवेकानन्द जी के जन्म दिवस को युवा दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर रविवार को सूर्य नमस्कार एंव प्राणायाम का आयोजन किया गया। जिले की सभी शिक्षण संस्थाओं और महाविद्यालयों में आयोजित सामूहिक सूर्य नमस्कार के कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारियों गणमान्य नागरिकों सहित हजारों छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

नीमच में स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिवस युवा दिवस के उपलक्ष्यओ में 12 जनवरी 2025 को जिला स्तरीय सामूहिक सूर्य नमस्कार शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यधमिक विद्यालय नीमच में आयोजित किया गया। सामूहिक सूर्य नमस्कार का प्रात:9:30 बजे से आकाशवाणी केंद्र से सीधा प्रसारण

किया गया। राष्ट्रगान, वंदे मातरम, स्वामी विवेकानंदजी की वाणी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश के प्रसारण के साथ ही सामूहिक सूर्य नमस्कार एवं प्राणायाम किया गया। सामूहिक सूर्य नमस्कार मे विधायक श्री दिलीपसिंह परिहार, कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिंह सिसौदिया ,जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर सहित विद्यार्थीगण, विद्यालय के प्राचार्य व शिक्षकगण, विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारीगण छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक शिक्षिकाओं ने जिला स्तरीय सामूहिक सूर्य नमस्कार में अपनी सहभागिता निभाई और योग और प्राणायाम किया। डिप्टी कलेक्टर श्री रश्मि श्रीवास्तव एवं जिला योग प्रशिक्षक सुश्री शबनम खान के नेतृत्व में अतिथियों और उपस्थित विद्यार्थियों ने सूर्य-नमस्कार, योग एवं प्राणायाम किया। इस अवसर पर अतिथियों ने स्कूल परिसर में स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में भोपाल से रेडियों प्रसारण के साथ विधायक श्री परिहार, कलेक्टर, एस.पी. एवं अधिकारियों और बडी.संख्या में विद्यार्थियों ने कतारबद्ध होकर प्रार्थनामुद्रा, हस्तउत्सासन, पादहासन, अश्वसंत्वासन, पर्वतासन, अष्टांग नमस्कार, भुजगांसन कर सूर्य नमस्कार के सात आसानों की 12 स्थितियों के क्रम को दोहराया। साथ ही अनुलोम, विलोम, प्राणायाम, भस्त्रिका प्राणायाम एंव भ्रामरी प्राणायाम भी किया। इस अवसर पर ए.डी.एम. श्रीमती लक्ष्मी गामड, एस.डी.एम. डॉ. ममता खेडे, जिला शिक्षा अधिकारी श्री एस.एम.मांगरिया, डी.पी.सी. श्री दिलीप व्यास सहित अन्य जिला अधिकारी एवं श्री मोहन सिंह राणावत, पार्षदगण एवं शिक्षकगण व बडी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थी।

प्रदेश का सिंचाई रकबा बढ़ाकर एक लाख हेक्टेयर किया जाएगा-मुख्यमंत्री

डॉ. यादव द्वारा 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों के खाते में 1553 करोड़ की राशि अंतरित

नीमच, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने शाजापुर जिले के कालापीपल में रविवार को आयोजित मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश की 1.27 करोड़ लाडली बहनों के खाते में 1553 करोड़ रूपए की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की गई है। साथ ही सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत 55 लाख हितग्राहियों के खाते में 335 करोड़ की राशि एवं 26 लाख बहनों को सिलेण्डर रीफिलिंग के लिए 27 करोड से अधिक की राशि का अंतरण किया गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का जिला मुख्यालय के अलावा उपखण्ड मुख्यालय नीमच, जावद एवं मनासा तथा सभी नगरीय निकाय स्तर पर भी सीधा प्रसारण किया गया।

इस कार्यक्रम में कालापीपल से राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के उदबोधन का सीधा प्रसारण भी किया। मुख्यमंत्री ने अपने उदबोधन में कहा, कि किसानों के लिए सरकार निरंतर काम करेगी। हर एक गांव में सिंचाई के लिए किसानों को पानी उपलब्ध करवाएंगे। प्रदेश की सिंचाई क्षमता 48 लाख हेक्टेयर से बढ़ाकर एक लाख हेक्टेयर की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में लाडली बहना योजना के माध्यम से प्रदेश की बहनें हर माह रक्षाबंधन पर्व मना रही है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने महिला, युवा, किसान एवं गरीब, सबका समान रूप से ध्यान रखने का संकल्प दिलाया है। सरकार सभी वर्गो के लिए काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर आज प्रदेश में युवा शक्ति मिशन योजना प्रारंभ की गई है। उन्होने कहा, कि जब तक युवाओं को काम नहीं मिलेगा, हमें आराम नहीं मिलेगा। हमने संकल्प किया है, कि मिशन मोड पर सरकार 2 लाख 70 हजार पदों पर सरकारी भर्ती करेगी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने प्रदेश के साथ ही नीमच जिले की 1 लाख 58 हजार 624 लाड्ली बहनों के खाते में दिसम्बर पेड इन जनवरी की 20वीं किश्त के रूप में 1250 रूपये प्रति हितग्राही के मान से कुल 19 करोड़ 26 लाख की राशि का अंतरण भी किया। इस राज्यस्त रीय कार्यक्रम का जिला मुख्यालय नीमच के जिला पंचायत सभाकक्ष में सीधा प्रसारण किया गया। इस अवसर पर सांसद श्री सुधीर गुप्ता, विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार, एसडीएम श्रीमती ममता खेडे, कार्यक्रम अधिकारी श्री टी.सी. मेहरा एवं लाडली बहने उपस्थित थी। जिला स्तरीय कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने कहा, कि सरकार सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास के मूलमंत्र के अनुसार कार्य कर रही है। लाडली बहना योजना के माध्यम से महिलाओं का समाज एवं परिवार में मान सम्मान बढाने का काम सरकार ने किया है। उन्होने लाडली बहना योजना की राशि का सदपयोग करने का आव्हान भी किया। विधायक श्री दिलीप सिह परिहार ने कहा, कि स्वामी विवेकानन्द जी जयंती पर हम उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लें। उन्होंने कहा, कि प्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण की दिशा में लगातार काम कर रही है। विधायक ने सभी को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए शासन की योजनाओं का लाभ उठाने का आव्हान किया। प्रारंभ में सांसद एवं विधायक ने मॉं सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री टी.सी. मेहरा, सीडीपीओ श्रीमती पायल पटेल, पर्यवेक्षक सुश्री एकता प्रेमी ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री प्रवीण आर्य ने किया और अंत में श्री टी.सी.मेहरा ने आभार माना।

मुख्यमंत्री ने जिले की 2 लाख 64 हजार लाड़ली बहनों को 32 करोड़ 30 लाख का हितलाभ प्रदान किया

मंदसौर, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना अंतर्गत मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मंदसौर जिले की 2 लाख 64 हजार 72 हितग्राहियों को 32 करोड़ 30 लाख का हितलाभ प्रदान किया गया। साथ ही जिले के पेंशन हितग्राहियों को पेंशन का भुगतान किया गया। प्रधानमंत्री उज्वला योजना अंतर्गत एलपीजी गैस कनेक्शन धारी लाडली बहनों को अनुदान राशि प्रदान की गई। हितलाभ वितरण का प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम शाजापुर जिला में आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम का लाइव प्रसारण जिले की सभी ग्राम पंचायत और नगरीय निकायों में किया गया। मंदसौर नगर पालिका सभाकक्ष में भी उक्त कार्यक्रम को हितग्राहियों ने देखा और सुना। इसके साथ ही जिले में मकर संक्रांति के पर्व को ध्यान में रखते हुए लाडली बहनों के लिए गुल्ली डंडा प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।इस दौरान मंदसौर प्रभारी डीपीओ श्रीमती स्वाति तिवारी, श्री पीसी चौहान, लाडली बहने, अधिकारी, कर्मचारी मौजूद थे।

राजस्व वसूली शिविर आज गोल चौराहा मंदसौर में लगेगा

मंदसौर, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला राजस्व एवं बाजार समिति की प्रभारी श्रीमती कौशल्या बंधवार एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी सुधीर कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि नगरपालिका परिषद मंदसौर द्वारा करदाताओ की सुविधा के लिए वार्ड वार संपत्तिकर शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसके तहत दिनांक 13 जनवरी 2025 को वार्डक्रमांक 13 व 15 स्थान-गोल चौराहा मंदसौर पर शिविर लगाया जाएगा ।अत: उक्त वार्ड के समस्त करदाताओं से अपील की जाती है कि शिविर में आकर अपने भवन भूखंड दुकान इत्यादि का टैक्स जमा कराकर नगर विकास में अपना सहयोग प्रदान करें।

14 जनवरी को कहीं पतंगबाजी, तो कहीं होगी बैलों की पूजा

इंदौर, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मकर संक्रांति हर साल 14 जनवरी को मनाई जाती है। यह त्योहार सर्दियों के अंत और सूर्य के मकर राशि में प्रवेश का प्रतीक है। यह त्योहार दिन के लंबे होने का संकेत देता है। यह समृद्धि और फसल के मौसम की शुरुआत का भी प्रतीक है। भारत में यह त्योहार कई क्षेत्रों में अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है, जिससे हर राज्य की सांस्कृतिक विविधता और अनूठी परंपराएं की झलक मिलती है।

पंजाब: लोहड़ी और अलाव का त्योहार–पंजाब में मकर संक्रांति को लोहड़ी के रूप में मनाया जाता है, जो सर्दियों की समाप्ति और फसल के मौसम की शुरुआत का प्रतीक है। इस दिन परिवार सहित आसपास के लोग इकट्ठा होकर अलाव जलाते हैं, जिसमें गेहूं, जौ और गन्ने की फसलें होती हैं। यह अलाव न केवल गर्मी और उजाले का प्रतीक होता है, बल्कि यह समुदाय के बीच खुशी और मेलजोल का प्रतीक बन जाता है। लोग नृत्य और संगीत के साथ इस दिन को मनाते हैं, जो आनंद और उत्साह से भरपूर होता है।

गुजरात: उत्तरायण और पतंगबाजी–गुजरात में मकर संक्रांति को उत्तरायण कहा जाता है, जो सूर्य के उत्तर की ओर जाने का सम्मान करता है। इस दिन को लेकर गुजरात में पतंगबाजी की परंपरा बहुत प्रसिद्ध है। लोग अपनी छतों पर इकट्ठा होकर रंग-बिरंगी पतंगों को उड़ाते हैं। यह पर्व हवा में उड़ते हुए पतंगों के साथ-साथ खुशी और एकता का प्रतीक बन जाता है। इस दिन लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताते हैं। एक-दूसरे को शुभकामनाएं भेजते हैं।

महाराष्ट्र: तिलगुल और हल्दी कुमकुम समारोह–महाराष्ट्र में मकर संक्रांति पर एक-दूसरों को तिलगुल दिया जाता है। लोग तिल और गुड की मिठाइयां बांटते हैं, जो नए साल में सद्भावना, शांति और सौभाग्य का प्रतीक मानी जाती हैं। इसके अलावा महिलाएं हल्दी कुमकुम समारोह का आयोजन करती हैं, जिसमें वे एक-दूसरे के माथे पर हल्दी-सिंदूर लगाती हैं।

तमिलनाडु: पोंगल का भव्य उत्सव–तमिलनाडु में मकर संक्रांति को पोंगल के रूप में मनाया जाता है। यह सूर्य देवता को समर्पित होता, जिसमें चार दिन लंबा उत्सव है। यह त्योहार सूर्य देवता की पूजा कर फसल की समृद्धि की कामना करता है। लोग इस दिन पारंपरिक भोजन तैयार करते हैं। सामूहिक रूप से खुशियां मनाते हैं। पोंगल को न केवल एक धार्मिक उत्सव, बल्कि एक सांस्कृतिक और सामाजिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है।

कर्नाटक: पारंपरिक मिठाइयां और अलाव–कर्नाटक में मकर संक्रांति को मंदिरों में दर्शन, अलाव जलाने की परंपरा है। इस दिन पारंपरिक मिठाई एलु बेला भी एक-दूसरे को दिया जाता है। तिल, गुड़, नारियल और मूंगफली से मिठाइयां तैयार की जाती हैं। यह रिश्तों को मिठास और खुशियां देती हैं। इस दिन लोग एक-दूसरे से मिलकर शुभकामनाएं देते हैं।

नई दिल्ली में हुआ मंदसौर के पलक्ष ओसवाल का सम्मान

मंदसौर, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नई दिल्ली के केंद्रीय कृषि मंत्रालय के आईसीएआर कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 'आचार्य ज्ञानसागर अखिल भारतीय सम्मान समारोह 2025' में मंदसौर की बाल प्रतिभा पलक्ष ओसवाल को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। समारोह में राजनेताओं, प्रशासनिक अधिकारियों और उद्योगपतियों की उपस्थिति में पलक्ष को

चांदी का कलश, प्रशस्ति पत्र, शील्ड, मेडल, स्मृति चिन्ह, स्मारिका, जैकेट, लैपटॉप बैग, काउंसलिंग किट और शैक्षणिक सामग्री भेंट कर पुरस्कृत किया गया। आयोजन समिति द्वारा प्रतिभावान छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए दिल्ली तक आने-जाने की रेल यात्रा, आवास एवं भोजन की व्यवस्था और समारोह स्थल तक पहुंचने के लिए 10 बसों की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

देशभर से चयनित प्रतिभाएं: पूरे भारत से चुनिंदा छात्रों को उनके पिछले वर्ष के शैक्षणिक, सामाजिक और अन्य क्षेत्रों में विशेष उपलब्धियों के आधार पर आमंत्रित किया गया। पंजाब से पांडिचेरी और हिमाचल से कर्नाटक तक के छात्रों ने अपनी प्रस्तुतियों से समारोह को और भी भव्य बना दिया।

विशेष उपहार वितरण: समारोह में स्वर्णकलश (27 ग्राम), स्वर्णजाप माला (15 ग्राम), रजत पूजा थाली (750 ग्राम) और 11 रजत कलश (45 ग्राम) जैसे उपहार लकी ड्रॉ के माध्यम से वितरित किए गए। इन विजेताओं का चयन श्री 105 गणिनी आर्यिका आर्षमति माताजी के निर्देशन में पलक्ष ओसवाल द्वारा लकी कूपन निकालकर किया गया।

काउंसलिंग सत्र: समारोह के पहले दिन, पूर्व आईएएस अधिकारी डॉ. तनु जैन (डायरेक्टर, तथास्तु वढरउ, दिल्ली) और रितेश जैन (डायरेक्टर, अंस्त्रद्धन्ढद्वन्थीस्र, गाजियाबाद) ने छात्रों को करियर और शिक्षण के नए आयामों पर रोचक काउंसलिंग सत्र प्रदान किए।

पलक्ष की सफलता पर परिवार में खुशी: पलक्ष की इस उपलब्धि पर उनके दादा-दादी श्री अरुणकुमार और श्रीमती मीना जैन, माता श्रीमती प्रिया जैन और कक्षा अध्यापिका श्रीमती साक्षी नागदा ने खुशी व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुख्यमंत्री नि:शक्त शिक्षा प्रोत्साहन योजना के ऑनलाइन आवेदन अब 24 तक होंगे स्वीकार

मंदसौर, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के माध्यम से दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए संचालित मुख्यमंत्री नि:शक्त शिक्षा प्रोत्साहन योजना के विद्यार्थियों के ऑनलाइन आवेदन अब 24 जनवरी 2025 तक स्वीकार किए जाएंगे।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित 2024-25 में अध्ययनरत दृष्टिबाधित, श्रवणबाधित, मंदबुद्धि, अस्थिबाधित दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए एन.आई.सी. मध्यप्रदेश के सहयोग से स्पर्श पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किये जाने के लिए अंतिम तिथि 12 नवंबर 2024 निर्धारित की गई थी। विभाग द्वारा जारी नये निर्देशों के अनुसार विद्यार्थी अब योजना का लाभ लेने के लिये 24 जनवरी 2025 तक पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। योजना के लिए पात्र दिव्यांग विद्यार्थी प्रवेशित संस्था प्रमुख के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन के साथ दिव्यांग प्रमाण-पत्र (यू.डी.आई.डी. कार्ड), आधार कार्ड, समग्र आईडी, पूर्व में पास की गई कक्षा की अंक-सूची और राशन कार्ड या आय-प्रमाण पत्र की छायाप्रति ऑनलाइन अपलोड कर योजना का लाभ ले सकेंगे।

युवा दिवस पर सूर्य नमस्कार का हुआ आयोजन

नंदावता, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नंदावता मे युवा दिवस समारोह पूर्वक आयोजित किया गया इस अवसर पर छात्र छात्राओ ने सामूहिक सूर्य नमस्कार के साथ अन्य आसन वरिष्ठ अध्यापक रामरतन कुमावत के निर्देशन में किया। माननीय मुख्य मंत्री मोहन यादव के संदेश का लाईव प्रसारण सुना ।कार्यक्रम के प्रारम्भ में मॉ सरस्वती का पूजन किया। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य वजेराम बामनिया ने स्वामी विवेकानंद के जीवन पर प्रकाश डाला इस अवसर पर गणमान्य जनप्रतिनिधि एवं समस्त शाला स्टॉफ उपस्थित रहा कार्यक्रम का संचालन शम्भू सिंह खरवर ने किया। आभार दुर्गालाल सेन ने माना।

लोकतांत्रिक पद्धति से हुए युवा प्रेस क्लब के निर्वाचन

अध्यक्ष चरण राजपाल, सचिव चित्रेश सोनी, उपाध्यक्ष अशोक परमार, कोषाध्यक्ष ललित भाटी एवं संयुक्त सचिव पद पर विजयेन्द्र फांफरिया हुए निर्वाचित

मंदसौर, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। शनिवार को नपा सभागार में यंग मीडिया क्लब (युवा प्रेस क्लब) के निष्पक्ष निर्वाचन की प्रक्रिया लोकतांत्रिक पद्धति के साथ पूर्ण हुई। दोपहर 12 से 2.30 बजे नपा सभागार में बने पोलिंग बूथ पर सभी मतदाताओं ने अपने मत का उपयोग किया। तत्पश्चात मतगणना प्रारंभ हुई।

इसमें अध्यक्ष पद पर चरण राजपाल (सरदार) विजय हुए। सचिव पद पर चित्रेश सोनी (चंदू बाबा) निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष पद पर अशोक परमार विजेता रहे। कोषाध्यक्ष पद पर ललित कुमार भाटी को विजयश्री प्राप्त हुई। इसी तरह संयुक्त सचिव पद पर विजयेन्द्र फांफरिया विजय हुए। सम्पूर्ण चुनाव प्रक्रिया सौहार्द पूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। मतदान प्रकिया के पश्चात आमने-सामने चुनाव लड़ रहे अभ्यार्थियों ने एक-दूसरे को माला पहनाकर स्वागत किया। नव निर्वाचित प्रत्याशियों को जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष पुष्पराजसिंह राणा, दशपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष नेमीचंद राठौर, युवा प्रेस क्लब के संस्थापक अध्यक्ष महावीर जैन, निर्वाचन अधिकारी एडव्होकेट अजयकुमार सिखवाल, सह निर्वाचन अधिकारी एडव्होकेट पंकज बोरीवाल ने सभी जिते गये प्रत्याशियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान जिलेभर के युवा पत्रकार और वरिष्ठ पत्रकार मौजूद रहे। आभार निवर्तमान सचिव देवेंद्र मौर्य ने माना।

वेस्ट जॉन पेंचक सिलाट मार्शल आर्ट प्रतियोगिता का शुभारंभ

मंदसौर, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला पेंचक सिलाट एसोसिएशन मंदसौर के जिलाध्यक्ष विजय कोठारी एवं मीडिया प्रभारी सुरेश भाटी ने बताया कि जिला पेंचक सिलाट एसोसिएशन मंदसौर एवं मिक्स मार्शल आर्ट के संयोजन में 10 से 12 जनवरी को तीन दिवसीय वेस्ट जॉन पेंचक सिलाट प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ मनमोहन वाटिका कौशल्या रिसोर्ट में गणमान्य अतिथियों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फैमिली कोर्ट न्यायाधीश श्री गंगाचरणजीत दुबे, कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार प्रतिपाल सिंह राणा, विशेष अतिथि युवा प्रेस क्लब के अध्यक्ष महावीर जैन, मध्य प्रदेश पेंचिक सिलाट एसोसिएशन के सचिव अभय श्रीवास, वेस्ट जोन के अध्यक्ष अलेक्स थॉमस, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट फिलिया थॉमस, गोवा पेंचिक सिलाट एसोसिएशन के सचिव एंथोनी केड़ली ब्रिगेंजा, जिला पेंचक सिलाट एसोसिएशन मंदसौर के लीगल एडवाइजर दीनदयाल भावसार, संस्था संरक्षक अनिल कियावत, मध्य प्रदेश पेंचक सिलेट सचिव अभय श्रीवास मंचासीन थे। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन संस्था संरक्षण अनिल कियावत ने दिया। तीन दिवसीय प्रतियोगिता की रूपरेखा संस्था अध्यक्ष विजय कोठारी ने रखते हुए बताया कि विभिन्न प्रांतो से आए खिलाड़ी तीन दिवसीय प्रतियोगिता में अपने खेल कौशल का प्रदर्शन फ़ाइट करेंगे उनके प्रदर्शन के अनुसार खिलाड़ियों को पदक मेडल प्रमाण पत्र दिए जाएंगे पेंचिक सिलाट एक मिनिस्ट्री गेम है जिसमें खिलाड़ियों को स्पोटर्स कोटा से गवर्नमेंट सरकारी नौकरी लगती है स इस खेल में खिलाड़ियों का भविष्य उज्जवल है मैं सभी माता-पिताओं से निवेदन करूंगा इस खेल से अपने बालक एवं बालिकाओं को जोड़े जिससे शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ उनका भविष्य भी उज्जवल हो सके। मुख्य अतिथि न्यायाधीश श्री गंगा चरण दुबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि सतत प्रयासों से व कड़ी मेहनत, सच्ची लगन से आप निश्चित ही अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रीतीपालसिंह राणा ने कहा कि संस्था द्वारा निरंतर किए जा रहे खेल आयोजनों से शहर का नाम प्रदेश ही नहीं अपितु पूरे देश में रोशन हो रहा हे, इस अवसर पर अन्य अतिथियों ने भी भव्य आयोजन के लिए संस्था की सराहना की,, व खिलाड़ियों को शुभ कामनाएं दी। अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष विजय कोठारी, सचिव गगन कुरील, टेक्निकल डायरेक्टर सैयद आफताब आलम, असलम खान, सुनील हीवे ग्वाला, अशोक गहलोत, दिनेश चंदवानी, कमलेश डोसी, दुर्गेश बेलानी, एडवोकेट दीनदयाल भावसार, हितेश सालवी, धर्मेंद्र सिंह रानेरा, शाहिद हुसैन,यशवंत सिंह राठौर, धर्मेंद्र कुमारी बघेरवाल, दीपक प्रजापत, शाहिद मंसूरी ने किया। कार्यक्रम का संचालन संस्था सचिव गगन कुमार कुरील ने किया। आभार टेक्निकल डायरेक्टर सैयद आफताब आलम ने माना।

पावर प्लांट टनल का...

पेज 1 से जारी

स्टाफ और साथी मजदूरों की मौजूदगी में किया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव को मृतक के गृह नगर भेजा जाएगा। हादसे के बाद कंपनी के अधिकारियों ने मीडिया से बात करने से इनकार कर दिया। रामपुरा थाना प्रभारी राधेश्याम दांगी ने बताया कि मामले की जानकारी जुटाई जा रही है और कंपनी के जिम्मेदार लोगों के बयान लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इस पावर प्लांट में पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें कई मजदूर घायल हुए और कुछ की मौत भी हो चुकी है।

स्वदेशी जागरण मंच ने किया डिजिटल हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ

मंदसौर, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। स्वदेशी जागरण मंच ने स्वामी विवेकानंद की जयंती की डिजिटल हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया। यह अभियान 12 जनवरी से 12 फरवरी तक चलेगा। जिसका उद्देश्य युवाओं के लिये गुणवत्तापूर्ण रोजगार निर्माण करना, हर घर स्वदेशी को बढ़ावा देना है।

प्रारंभ में स्वामी विवेकानन्दजी के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके कार्यों को याद किया। मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि युवा अपनी दिशा सोच समझकर तय करे। उन्हें अपना आदर्श तार्किकता के साथ चुनने चाहिये। इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच के विभाग संयोजक पं. दिलीप व्यास, विभाग सहसंयोजक अंकुश पालीवाल, जिला संयोजक दिलीप चौधरी, जिला सहसंयोजक महेंद्र सिंह राजावत, जिला संपर्क प्रमुख डॉ हेमंत नामदेव, तहसील संयोजक अभिजीत सिंह मंडलोई, तहसील सहसंयोजक जितेंद्र पाटीदार, नगर संयोजक कनिष्क शर्मा, नगर सहसंयोजक भरत ओझा नगर प्रचार प्रमुख उदित जैन अनमोल वाधवा सतीश बैरागी अंकित कोठारी आदि उपस्थित थे।

पंचमुखी बालाजी मंदिर कानाखेड़ा में आयोजित श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा में रामानंदपुरीजी ने कहा...

पुण्य कर्मों का फल सदैव अच्छा होता हैं

नीमच, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। गीता में कहा गया है कि व्यक्ति अपने पुण्य परमार्थ का कर्म करता रहे और फल की इच्छा नहीं करें फल ईश्वर पर छोड़ दें।क्योंकि यदि हमने अच्छा कर्म किया है तो उसका फल हमें अवश्य अच्छा ही मिलेगा। परमात्मा अच्छे कर्मों का फल शीघ्र देता है वह अपने पास नहीं रखता है। विश्वास नहीं हो तो हम अच्छे कर्म करके परिणाम देखें तो हमें स्वत: ही समझ आएगा कि अच्छे कर्मो का फल सदैव अच्छा ही मिलता है।गीता ज्ञान व्यक्ति को सत्य की राह के साथ चलकर पवित्र कर्म करने की प्रेरणा देता है ।गीता ज्ञान को जीवन में आत्मसात करें तो मनुष्य के जीवन का कल्याण हो सकता है।यह बात रामानंद पुरी जी महाराज ने कही। वे श्री पंचमुखी बालाजी मंदिर समिति काना खेड़ा के तत्वाधान में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा की धर्म सभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि समझदार लोग यश अपयश की चिंता नहीं करते हैं अच्छे मार्ग पर सदैव आगे

बढ़ते रहते हैं। गोवर्धन पूजा का अर्थ होता है की प्रकृति की रक्षा करना यदि हमें पुण्य कर्म करना है तो हम पांच पेड़ लगाए और उन पेड़ों को संतान की तरह पालन पोषण करें धरती स्वर्ग बन सकती है। तपस्वी प्रतिभाशाली चरित्रवान का सम्मान करना चाहिए ।उंच्च नीच का भेदभाव नहीं करना चाहिए तभी देश का विकास हो सकता है।सुनीति को अपनाएं तो ध्रुव जैसा बालक अवश्य जन्म लेगा जो भगवान की गोद प्राप्त करा देगा।मानस पूजा मन से होती है। आत्मा और मन निर्मल हो तभी परमात्मा के दर्शन होते हैं। कण कण में भगवान होता है। प्रकृति पशु पक्षी धरती पेड़ पौधे सभी प्राणियों में भगवान का स्वरूप होता है ।जीव दया कर प्राणियों की रक्षा करनी चाहिए। मन पवित्र करे घर स्वर्ग बन सकता है।बेटा बेटी को पढ़ाना चाहिए लेकिन पढ़ाई के साथ नैतिक शिक्षा के संस्कार के सिखाना चाहिए।तभी वे अपने जीवन को सफल बना सकें। सुनीति पर चले तो ध्रुव जैसा बालक अवश्य जन्म लेगा जो भगवान को प्राप्त करा देगा।भागवत कथा में महाराज श्री ने शिव यज्ञ, दक्ष प्रजापति, संवाद मीरा, राधा कृष्ण ,कबीर तुलसी, प्रियव्रत उत्तानपाद सुनीति, तुलसीदास के प्रसंग, सुरुचि आदि धार्मिक प्रसंग के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।आरती में जिला पंचायत सदस्य तरुण बाहेती, अखिल भारतीय मेनारिया समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरज मेनारिया उज्जैन, बाबूलाल नागदा, राधेश्याम मेनारिया,सहित अनेक लोग उपस्थित थे। श्रीमद् भागवत कथा में सभी महिलाएं लाल परिधानों में सहभागी बनी। आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया

मप्र शिक्षक संघ ब्लाक व तहसील शाखा मनासा के निर्वाचन संपन्न

मनासा, 12 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के त्रैवार्षिक निर्वाचन हेतु आज शा.उ.उमावि मनासा पर बैठक का आयोजन किया गया।पर्यवेक्षक श्री बद्रीलाल पुरोहित व निर्वाचन अधिकारी श्री सत्यनारायण नागर के मार्गदर्शन मे प्रारंभ हुई। सर्वप्रथम मां सरस्वती की पूजा अर्चना के साथ निर्वाचन प्रक्रिया प्रारंभ हुई। उपस्थित सदस्य गण ने निर्वाचन हेतु नामांकन फार्म भरें। तत्पश्चात सर्वसम्मति से निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा चुनाव अधिकारी द्वारा की गयी।

ब्लाक कार्यकारिणी अध्यक्ष राकेश पुरोहित,सचिव गोपाल जोशी, कोषाध्यक्ष रमेश वेद, उपाध्यक्ष रमेश धनोतिया,श्रीमती भारती बैरागी,राजेश धनोतिया,सहसचिव राहुल शर्मा।

तहसील कार्यकारिणी – अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तंवर,सचिव मुकेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष नरेंद्र भट्ट, उपाध्यक्ष कमलेश कारपेंटर,मुकेश रावत, पार्वती राठौर,विजय तिवारी,सहसचिव लोकेश शर्मा,अजय श्रीवास्तव। सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों का गुलाल लगाकर स्वागत किया गया व बधाई दी।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in